छ.रा.विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

जुलाई–अगस्त 2011 वर्ष – 07 अंक – 10

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

# छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या.

## प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

| | नवम्बर 2000 | अगस्त 2011 |
|---|---|---|
| ताप विद्युत क्षमता | 1240 मेगावॉट | 1786 मेगावॉट |
| जल विद्युत क्षमता | 120 मेगावॉट | 138.70 मेगावॉट |
| कुल ताप, जल विद्युत क्षमता | 1360 मेगावॉट | 1924.70 मेगावॉट |
| क्षमता वृद्धि | --- | 564.70 मेगावॉट |
| अति उच्चदाब केन्द्रों की संख्या | 27 नग | 70 नग |
| अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई | 5205 सर्किट कि.मी. | 8260.98 सर्किट कि.मी. |
| 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या | 248 नग | 693 नग |
| 33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई | 6988 सर्किट कि.मी. | 15015 सर्किट कि.मी. |
| 11/0.4 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या | 29692 नग | 70588 नग |
| 11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई | 40556 कि.मी. | 67270 कि.मी. |
| निम्न दाब लाइनों की लंबाई | 51314 कि.मी. | 119059 कि.मी. |
| केपेसिटर स्थापित | 94 एमव्हीआर | 934 एमव्हीआर |
| विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या | 17910 | 19178 |
| विद्युतीकरण का प्रतिशत | 91.00 | 97.13 |
| विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या | 10375 | 23729 |
| विद्युतीकृत पम्पों की संख्या | 72400 | 293784 |
| एकलबत्ती कनेक्शन | 630389 | 1480123 |

# संकल्प

छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

जुलाई–अगस्त वर्ष – 07 अंक–10


## संरक्षक

| | | |
|---|---|---|
| श्री पी. जॉय उम्मेन | : | अध्यक्ष |
| श्री जी.एस. कलसी | : | प्रबंध संचालक (होल्डिंग कं. मर्या.) |
| श्री व्ही.के. श्रीवास्तव | : | प्रबंध संचालक (उत्पादन कं. मर्या.) |
| | : | प्रबंध संचालक (ट्रेडिंग कं. मर्या.) |
| श्री जी.एस. कलसी | : | प्रबंध संचालक (ट्रांसमिशन कं. मर्या.) |
| श्री सुबोध कुमार सिंह | : | प्रबंध संचालक (वितरण कं. मर्या.) |

## सलाहकार सम्पादक

श्री कैलाश नारनवरे : महाप्रबंधक (मा. सं.)

## सम्पादक

श्री विजय कुमार मिश्रा :.....जनसम्पर्क अधिकारी

## सहयोग

श्री जाबीर मोहम्मद कुरैशी

## छायाकार

श्री संजय टेम्बे

## पता


सम्पादक – संकल्प

जनसम्पर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.

डंगनिया, रायपुर (छ.ग.)


संकल्प में प्रकाशित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं,
सम्पादक मण्डल उससे सहमत हों, यह जरूरी नहीं है.
किसी प्रकार के विवाद के लिए न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र रायपुर होगा.

## विषय सूची


सम्पादकीय----02
प्रदेश में बिजली सुविधा ----03
बिजली खपत में रिकार्ड----04
एस.एम.एस. से ----05
कम्प्यूटराईज्ड मशीन से ----05
पॉवर कम्पनी मुख्यालय में ----06
प्रमुख विद्युत समंक ----07
राजीव गांधी ग्रामीण ----07
125 करोड़ की लागत ----08
स्टाफ आफिसर ----08
निर्माणाधीन 1500 मेगावाट ----09
राष्ट्रीय नृत्य श्री अवार्ड ----09
बीमा योजना के लंबित ----10
पॉवर कम्पनी के 14 ----11
प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं ----11
नये विद्युत कनेक्शन ----12
मानव संसाधन विभाग में ----12
तनावमुक्त जीवन----13
कोरबा पश्चिम में ----13
केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा ----14
मड़वा–तेन्दूभाठा ताप----14
हसदेव ताप विद्युत----14
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ----15
बिलासपुर में स्वतंत्रता ----15
राजनांदगांव क्षेत्र में ----16
हसदेव ताप विद्युत गृह ----16
श्री संदीप चौधरी ----17
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ----17
बिलासपुर क्षेत्र में ----17
पॉवर कम्पनी मुख्यालय ----18
कोरबा पूर्व में कर्मचारी----18
पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी----19
वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ----19
सेवानिवृत्त कर्मियों ----19
रायपुर क्षेत्रीय मुख्यालय----20
श्री इरंकी एवं श्री राव ----20
आदर्शिनी महिला ----21
सावन उत्सव ----21
भारतीय राज्य संप्रतीक ----22
मगरमच्छ को ----22
हमारे गौरव----23
श्रद्धांजलि ----23
कविता ----23
परिचयावली ----24
बिजली सुरक्षा के गोठ----24

## संपादकीय.....

# कायदे से काम करने पर तरक्की के साथ लक्ष्य की प्राप्ति

आजादी के पश्चात् हमारे देश में सभी के लिये नियम कायदे बनाये गये है। इसके अन्तर्गत सभी लोगों को अपने अपने कार्यों को सही ढंग से अंजाम देने की जरूरत है, परन्तु वर्तमान में नियम, कानून की धज्जियॉ उड़ाई जा रही है। यह स्वतंत्र भारत के नागरिकों के लिये एक चिन्ता का विषय है। आजादी के पर्व पर गवाही देते इतिहास बताता है कि हर महापुरूष, सफल व्यक्ति ने अपने जीवन में ''कायदा'' को सर्वोपरि स्थान दिया है ।

कायदे के फायदे में तंदरूस्ती का राज भी छुपा हुआ है । कायदे के दायरे में रहकर काम करने वाले व्यक्ति का चेहरा तनाव रहित होता है । साथ ही संतोष की भावना साफ झलकती है । कायदे में रहकर किया गया काम मानव मनोदशा को मजबूत बनाता है । इससे शरीर के भीतर की ग्रंथियां सकारात्मक हार्मोन का स्त्राव करती है । कायदे से काम करने पर तरक्की के साथ लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित होती है । इसीलिये कहा भी गया है कि– ''कर्म तेरा अच्छा है तो किस्मत तेरी दासी है, नियत तेरी साफ है तो घर में मथुरा–काशी है।''

कायदे के विपरीत भ्रष्ट आचरण करने और कायदे के दायरे से बाहर जाकर किये गये कार्य मानव मनोदशा को रूग्ण–बीमार बनाते हैं । कायदे से हटने पर जिन्दगी फिरकी सी हो जाती है, चकरघिन्नी की तरह चक्कर ऊपर चक्कर लगाना नियति बन जाती हैं । घर परिवार में कलह–अशांति और समाज में कलंकित होने की त्रासदी को भोगना पड़ता हैं । जाहिर है भ्रष्टाचार से आदमी पाता कम हैं, खोता अधिक हैं ।

क्षणिक फायदा पाने के लिए कायदा को तोड़ने वालों का हश्र हमेशा से बुरा होता आया है । कितना भी पराक्रमी, बलशाली, पूंजीपति हो, कायदा को तोड़ने वाले को पराजय का स्वाद चखना ही पड़ा है । अपमान का घूंट पीना ही पड़ा हैं । महाप्रतापी रावण, कंस, कौरव के द्वारा कायदा को तोड़ने का दुष्परिणाम वैदिक ग्रंथों के माध्यम से हमें देखने को मिलता हैं । शक्तिशाली ब्रिटिश हुकूमत को कायदे के मार्ग पर चलकर ही खदेड़ने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व को सफलता मिली थी ।

मानव जीवन एक महासंग्राम है। इस संग्राम में वही योद्धा विजयी होगा जो कि कायदा के अस्त्र–शस्त्र से सुसज्जित होगा। इसे दूसरे शब्दों में सरल ढंग से इस तरह व्यक्त किया जा सकता है कि कायदे का जूता कभी काटता नहीं, जबकि बेकायदे का जूता पैर को काट–काट कर कष्ट पहुंचाते रहता है इससे मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है कि कायदा को नकारे बिना हर कार्य को पूर्ण करें।

कायदे में चलकर कार्य करने का फायदा आज छत्तीसगढ़ को भरपूर बिजली के रूप में मिल रहा है। विद्युत कर्मियों के कायदे पूर्ण कार्यों ने जीरो पॉवर कट स्टेट और न्यूनतम विद्युत दुर्घटना के साथ ही प्रदेश में प्रति व्यक्ति बिजली खपत को राष्ट्रीय स्तर पर अधिकतम होने का कीर्तिमान बनाया है। कायदे से कार्य करने की संस्कृति का एक सुपरिणाम छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक धान उत्पादक राज्य होने के रूप में भी प्राप्त हुआ है।

विजय मिश्रा

# प्रदेश में बिजली सुविधा बढ़ाने अनेक परियोजनायें निर्माणाधीन

## मान0 मुख्यमंत्रीजी ने की परियोजनाओं की गहन समीक्षा

प्रदेश में विद्युत प्रणाली को उन्नत कर उपभोक्ता सेवा में सुधार करने, विद्युत उत्पादन बढ़ाने, लाइन लॉस कम करने तथा नये उपकेन्द्रों एवं लाइनों के निर्माण संबंधी परियोजनाओं तथा राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना की समीक्षा बैठक 19 अगस्त को माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा की गई। बैठक में मुख्य सचिव–सह पॉवर कंपनी अध्यक्ष श्री पी.जॉय उम्मेन, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव श्री अजयसिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव श्री अमन कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक सुबोध कुमार सिंह, ट्रेडिंग–जनरेशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री व्ही.के. श्रीवास्तव, होल्डिंग–पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्रीजी ने विगत तीन वर्षों में वितरण कंपनी द्वारा लाइन लॉस कम करने के लिए किये गये प्रयासों में मिली सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा चालू वित्तीय वर्ष में लाइन लॉस 28 प्रतिशत लाने के लक्ष्य को अर्जित करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2009–10 में लाइन लॉस घटकर 35.56 प्रतिशत तथा वर्ष 2010–11 में 31 प्रतिशत हो गया। इसी तरह बिजली चोरी रोकने के लिए रायपुर, दुर्ग, भिलाई, रायगढ़ एवं कुछ अन्य प्रमुख शहरों में 280 किलोमीटर लम्बी केबल लाइन खींची जा चुकी हैं। इसका विस्तार करते हुये निकट भविष्य में एक हजार किलोमीटर लंबी केबल लाइन डालने के लिए निविदा आमंत्रित की गई है।

बैठक में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त लोवोल्टेज की समस्या के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री जी ने कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस संबंध में उन्हें बताया गया कि भानुप्रतापपुर में 132 के.व्ही.विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण पिछले माह पूर्ण कर लिया गया है। इससे भानुप्रतापपुर, अन्तागढ़, पंखाजूर और बांदे आदि क्षेत्रों में लोवोल्टेज की शिकायत नहीं रहेगी। इसी तरह देवभोग, मैनपुर, गरियाबंद के वोल्टेज संबंधी समस्या को दूर करने के लिए विद्युत लाइन खींचने की स्वीकृति की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्रीजी ने गरियाबंद में विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिये ।

प्रदेश में चल रहे राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्रीजी ने समयसीमा में कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये । इस योजना के कार्यों की प्रगति के संबंध में उन्हें बताया गया कि प्रदेश के 18 में से 16 जिलों के विद्युत सुविधाविहीन बसाहटों के विद्युतीकरण का काम प्रगति पर है। शेष 2 जिले कोरिया और जशपुर में से कोरिया जिले के लिए इस योजना के अन्तर्गत 81 करोड़ रूपये का प्रोजेक्ट मंजूर हो गया हैं और जशपुर जिले के लिए राज्य सरकार की ओर से केन्द्र शासन को भेजा गया 51 करोड़ रूपये का परियोजना प्रस्ताव विचाराधीन है।

प्रदेश के जांजगीर चाम्पा में निर्माणाधीन एक हजार मेगावॉट क्षमता की मड़वा ताप विद्युत परियोजना एवं कोरबा में निर्माणाधीन पांच सौ मेगावॉट क्षमता की कोरबा पश्चिम परियोजना के साथ ही कोरबा से रायपुर तक 400 के.व्ही.ए. क्षमता की अतिउच्चदाब लाइन एवं राजधानी रायपुर के करीब ग्राम रायता में निर्मित किये जा रहे 400 के.व्ही. क्षमता के उपकेन्द्र के निर्माण कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा मुख्यमंत्रीजी ने की। इनसे संबंधित कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश उन्होंने दिये।

प्रदेश के तीस हजार से अधिक जनसंख्या वाले 16 शहरों की बिजली आपूर्ति संबंधी तकनीकी व्यवस्था को उन्नत एवं विस्तार करने के लिए शीघ्रातिशीघ्र कार्य आरंभ करने पर चर्चा हुई। इन शहरों में अंबिकापुर, मनेन्द्रगढ़, नैला जांजगीर, चाम्पा, दल्ली राजहरा, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, मुंगेली, कवर्धा, धमतरी, कांकेर, महासमुन्द, जगदलपुर, भाटापारा, रायगढ़ और कोरबा शामिल है। इसी क्रम में वितरण कंपनी की ओर से बताया गया कि प्रदेश के 15 से 30 हजार तक आबादी वाले 29 शहरों के लिए ए.पी.डी.आर.पी. की स्वीकृति हेतु माननीय मुख्यमंत्रीजी के निर्देशानुसार केन्द्र शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। इस प्रस्ताव में कोण्डागांव, रतनपुर, तखतपुर, गौरेला/पेण्ड्रा, कोटा, बोदरी–बिल्हा, बड़े बचेली, किरन्दुल, बेमेतरा, कुम्हारी, जामुल, बालोद, अहिवारा, अकलतरा, सक्ती, जशपुर नगर, दीपका, कटघोरा, सरायपाली, बागबाहरा, नारायणपुर, खरसिया, बिरगांव, बलौदाबाजार, आरंग, तिल्दा–नेवरा, गोबरा नवापारा, खैरागढ़ एवं सूरजपुर शामिल है। इसकी सैद्धान्तिक सहमति मिल चुकी है।

# बिजली खपत में रिकॉर्ड वृद्धि : देश में छत्तीसगढ़ का स्थान तीसरा

## विकास की निशानी है बिजली की खपत में बढ़ोत्तरी

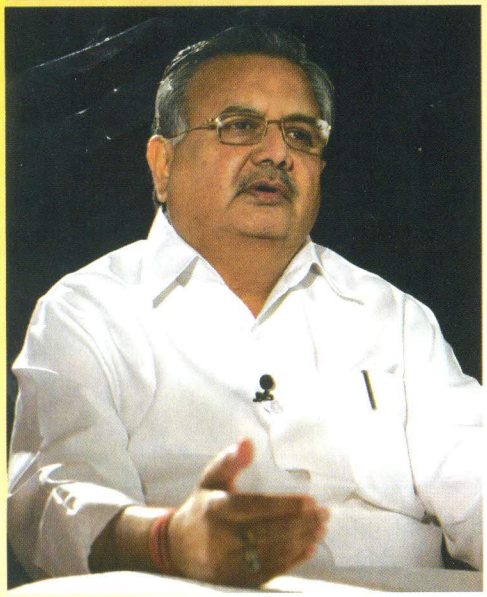

बिजली की खपत के मामले में छत्तीसगढ़ ने रिकार्ड तोड़ छलांग लगाई है । बीते एक दशक में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत में पांच सौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है । बिजली का सबसे ज्यादा उपयोग करने वाला देश का तीसरा बड़ा राज्य छत्तीसगढ़ बन गया है । लोकसभा में माननीय केन्द्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री वेणुगोपाल द्वारा जारी किये गये आंकड़ों में यह मिसाल प्रदर्शित हुआ है । सर्वाधिक विद्युत खपत वाले राज्यों के क्रम में गोवा प्रथम, गुजरात द्वितीय एवं छत्तीसगढ़ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है । छत्तीसगढ़ में प्रतिव्यक्ति 1547 यूनिट विद्युत खपत आंकी गई है । माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ऊर्जा विभाग एवं पांचों पॉवर कंपनी के सभी अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी हैं ।

माननीय मुख्यमंत्रीजी ने इस वृद्धि को राज्य के तीव्र विकास की निशानी निरूपित किया हैं । उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अब पहले से ही विकसित–समृद्ध कहे जाने वाले राज्यों की तुलना में आगे हो गया है । कृषि उत्पादन के संग–संग औद्योगिक क्षेत्रों का उत्पादन भी प्रदेश में नये शिखर तक जा पहुंचा है । उल्लेखनीय है कि ऐसे गौरव पथ पर अग्रसर छत्तीसगढ़ में विद्युत के उत्पादन, पारेषण और वितरण के क्षेत्र में नित नूतन कार्यों को पूर्ण किया जा रहा है, फलतः प्रदेश के विद्युत परिदृश्य में क्रान्तिकारी परिवर्तन परिलक्षित हुआ है ।

विगत तीन वर्षो से देश का एक मात्र जीरो पॉवर कट स्टेट छत्तीसगढ़ बना हुआ है । इसके अलावा राज्य शासन के विशेष प्रयासों और अभियानों के कारण राज्य में ऊर्जीकृत पम्पों की संख्या 2,80,000 हो गई हैं जबकि राज्य स्थापना के समय मात्र 72,000 ऊर्जीकृत पम्पों की संख्या थी । प्रदेश में किसानों को 6,000 यूनिट बिजली निःशुल्क दी जा रही है । प्रदेश में एकल बत्ती कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं की संख्या 13 लाख तक जा पहुंची । ऐसे उपभोक्ताओं को 30 यूनिट बिजली निःशुल्क दी जा रही है । विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं की संख्या 18 लाख से बढ़कर लगभग 33 लाख हो गई हैं । ग्रामीण विद्युतीकरण का स्तर 97.8 प्रतिशत हो गया है ।

बिजली के बूते आगे बढ़ते छत्तीसगढ़ की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर वर्ष 2009–10 में 11.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी जो कि देश में सर्वाधिक होने का कीर्तिमान रहा । विगत पांच वर्षों में राज्य की औसत विकास दर 10.9 प्रतिशत भी सर्वाधिक थी । छत्तीसगढ़ की जीएसडीपी वृद्धि दर में कृषि क्षेत्र का बड़ा योगदान रहा है । विगत वर्ष कृषि क्षेत्र की राष्ट्रीय औसत विकास दर से गुजरात और छत्तीसगढ़ की विकास दर दोगुनी से भी अधिक थी । इसका एक बड़ा कारण कृषि क्षेत्र में विद्युत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ को देश में सर्वाधिक धान उत्पादक राज्य का दर्जा देते हुए केन्द्र शासन द्वारा माह जुलाई 2011 में पुरस्कृत किया गया था । बीते 10 वर्षो में यहां धान का उत्पादन 50 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 91 लाख मीट्रिक टन हो गया है । सिंचित रकबा 23 प्रतिशत से बढ़कर 32 प्रतिशत हो गया है । इसी तरह प्रतिव्यक्ति आय 10 हजार रूपये वार्षिक से बढ़कर 44 हजार रूपये हो गई है ।

### टॉप टेन स्टेट
### (प्रतिव्यक्ति बिजली की वार्षिक खपत यूनिट में)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | गोवा | – | 2263 |
| 2. | गुजरात | – | 1615 |
| 3. | छत्तीसगढ़ | – | 1547 |
| 4. | पंजाब | – | 1527 |
| 5. | हिमाचल | – | 1380 |
| 6. | चंडीगढ़ | – | 1340 |
| 7. | हरियाणा | – | 1131 |
| 8. | तमिलनाडु | – | 1547 |
| 9. | महाराष्ट्र | – | 1128 |
| 10. | उत्तराखंड | – | 1112 |

# एस.एम.एस. से मिलने लगी बिजली बिलों की जानकारी

## "ई–सम्पर्क" सेवा आरंभ करने वाला देश का प्रथम राज्य छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को एस.एम.एस. के जरिये बिजली बिलों की जानकारी देने की महत्वाकांक्षी योजना प्रदेश में आरम्भ हो गई है। इस प्रकार की सेवा प्रारंभ करने वाला देश का प्रथम राज्य छत्तीसगढ़ है । इस सुविधा का शुभारंम्भ मान. मुख्यमंत्री जी के करकमलों हुआ । इस अवसर पर मान. मंत्रीजी (पर्यटन एवं संस्कृति) श्री बृजमोहन अग्रवाल, मान. आर. डी. अध्यक्ष श्री सुनील सोनी, आयुक्त जनसंपर्क श्री बैजेन्द्र कुमार तथा अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे । यह सुविधा उपभोक्ताओं को पूरी तरह से मुफ्त प्रदान की जा रही है। इससे सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को राहत मिलना सुनिश्चित है। योजना के संबंध में वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने बताया कि कोई भी उपभोक्ता अपने मोबाईल पर अब बिजली बिल के संबंध में अनेक प्रकार की जानकारियॉ सरलता से प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिये उपभोक्ता को अपने मोबाईल नंबर का पंजीयन क्षेत्रीय विद्युत कार्यालय में कराना होगा।

आगे श्री सुबोध सिंह ने बताया कि इसका फायदा लेने हेतु उपभोक्ता को अपना मोबाइल नंबर संबंधित विद्युत कार्यालय में या एस.एम.एस. द्वारा पंजीकृत करवाना होगा । उपभोक्ता जिस मोबाइल नंबर को इस सेवा के लिए पंजीकृत करना चाहता है उस मोबाईल फोन पर केपिटल लेटर्स में एफआईएनडी आरईजी स्पेस सर्विस नंबर (FIND REG <Service No.> ) टाईप करने के बाद 56161 पर एस.एम.एस. करना होगा। इससे उपभोक्ता का मोबाईल फोन का पंजीयन हो जायेगा और विद्युत देयक संबंधी सूचनायें प्राप्त की जा सकती है। उपभोक्ता का सर्विस क्रमांक विद्युत देयक के ऊपर अंकित होता है।

वर्तमान देयक की जानकारी प्राप्त करने हेतु (FIND BILL <Service No.(10 Digit)> अंतिम भुगतान की जानकारी हेतु (FIND PAY <Service No.(10 Digit)> बकाया राशि की जानकारी हेतु :– (FIND DUE <Service No.(10 Digit)> अधिक जानकारी हेतु :– (FIND अथवा FIND HELP. विद्युत चोरी से संबंधित जानकारी व शिकायत भी एस.एम.एस. के द्वारा FIND THEFT <विद्युत चोरी का विवरण लिखकर 56161 पर भेज कर दर्ज करा सकते है । सही जानकारी मिलने पर शिकायतकर्ता को वितरण कंपनी द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेंगी । ई–संपर्क सेवा से संबंधित जानकारी मोबाइल नंबर 9589369508 से भी प्राप्त की जा सकती हैं ।

## कम्प्यूटराईज्ड मशीन से परिसर पर ही बिल तैयार करेंगे मीटर रीडर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के विद्युत देयकों की गड़बड़ी को दूर करने एक बड़ी पहल की गई है। इसके तहत् प्रदेश के विभिन्न शहरों में उपभोक्ताओं के परिसर में जाकर स्पॉट बिलिंग का कार्य आरम्भ कर दिया गया है। इस हेतु मीटर रीडर एक कम्प्यूटराईज्ड मशीन लेकर उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित मीटर की रीडिंग उपभोक्ता अथवा उसके प्रतिनिधि के समक्ष लेगें। उस मशीन से तत्काल बिल छपकर निकलेगा जिसका वर्तमान वाचन उपभोक्ता स्वतः कर सकेंगे।

उक्त जानकारी कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री एस.डी.दीवान ने दी। उन्होंने कहा कि ऐसे बिलों पर किसी भी अधिकारी के हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होगी। मीटर रीडर कंपनी द्वारा अधिकृत और पंजीकृत होगा अतः उनके द्वारा प्रदत्त ऐसे विद्युत देयक सर्वमान्य होंगे। वितरण कंपनी के एम डी श्री सुबोध सिंह ने विद्युत देयकों में गड़बड़ी को दूर करने तथा देयकों के भुगतान को सरल बनाने की दृष्टि से स्पॉट बिलिंग के कार्य सभी शहरों में शीघ्रातिशीघ्र आरम्भ करने के कड़े निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये हैं।

आगे श्री दीवान ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को बिल मिलने के बाद दो सप्ताह का समय बिल भुगतान हेतु दिया जाता है। किन्तु उपभोक्ता चाहे तो स्पॉट बिलिंग से प्राप्त कम्प्यूटराईज्ड बिल में दर्शाई राशि का भुगतान चेक द्वारा तत्काल कर सकेगा। ऐसे बिलों पर नकद भुगतान की सुविधा फिलहाल कंपनी द्वारा नहीं दी गई है।

# पॉवर कंपनी मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह का सोल्लास आयोजन

## उन्नति संग उपभोक्ता संतोष सर्वोच्च प्राथमिकता – श्री ओम्मेन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय में छ0ग0 शासन के मुख्य सचिव सह पावर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी. जॉय. ओम्मेन (आई.ए.एस.) द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया गया । ध्वजारोहण उपरांत उन्होंने सतर्कता एवं सुरक्षा विभाग के सैनिकों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक परेड मार्चपास्ट का निरीक्षण किया एवं सलामी ली । समारोह में वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह (आई.ए.एस.), होल्डिंग–पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी, ट्रेडिंग–उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के. श्रीवास्तव, महाप्रबंधक(मा.सं.) श्री कैलाश नारनवरे, महाप्रबंधक श्री संदीप चौधरी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी–कर्मचारी तथा उनके परिवारजन उपस्थित थे ।

समारोह में श्री ओम्मेन ने देश के महान सपूतों को सादर नमन करते हुए सभी उपस्थितजनों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनायें दी । उन्होंने कहा कि देश की एकता को मजबूत बनाने की प्रेरणा हमे वीर सपूतों के त्याग और बलिदान से है। साथ ही राष्ट्रीय पर्व पर आजादी से लेकर अब तक की प्रगति का मनन करते हुये हमें और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है ।

आगे उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति की चर्चा में छत्तीसगढ़ का नाम आज उभरकर आता है। उन्नति की ऐसी गौरवशाली गाथा के पीछे बिजली की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण दिखाई देती है। इसका श्रेय माननीय मुख्यमंत्री जी के ऊर्जावान नेतृत्व के साथ साथ पॉवर कंपनी के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को जाता है। इस हेतु सभी बधाई के पात्र हैं।

छत्तीसगढ़ में बिजली की उपलब्धता भविष्य में भी भरपूर बनी रहें । इस हेतु नये विद्युत गृहों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। आप सभी जानते है कि किसी भी क्षेत्र में नवनिर्माण हमेशा कठिन और चुनौती भरा कार्य होता है। इसके बावजूद विद्युत कर्मियों ने उत्पादन क्षमता में सतत वृद्धि की प्रकिया को साकार कर दिखाया है। यही वजह है कि विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि करते हुये वर्ष 2012 तक हम और 1500 मेगावाट क्षमता की तीन विद्युत इकाईयों को कियाशील करने आशान्वित हैं।

वर्ष 2010–11 में हमारे विद्युत गृहों का वार्षिक प्लांट यूटिलाइजेशन फेक्टर 89.99 प्रतिशत रहा, जो कि सर्वकालिक अधिकतम होने का कीर्तिमान है। चालू सत्र में भी हमारा प्रदर्शन उत्तम बना हुआ है। जुलाई माह में कोरबा पूर्व–पश्चिम विद्युत गृहों ने सर्वाधिक मासिक विद्युत उत्पादन की मिसाल दी है।

विद्युत उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ प्रदेश की पारेषण प्रणाली के क्षेत्र में हो रहे विकास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना के समय मात्र 27 अतिउच्चदाब उपकेन्द्र कियाशील थे जो आज बढ़कर 70 हो गये हैं यह तीनगुना अधिक वृद्धि को दर्शाता है। राज्य गठन उपरांत पहली बार 400 के.व्ही. क्षमता का उपकेन्द्र भी स्थापित करने जा रहे हैं। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में भी 400 के.व्ही. के उपकेन्द्र को आगामी दो वर्षों में बनाने की योजना है। इसी तरह आगामी तीन वर्षों में लगभग 24 नये अति उच्च दाब उपकेन्द्रों के निर्माण का लक्ष्य है।

प्रदेश में उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या के समक्ष उपभोक्ता संतोष अर्जित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए श्री ओम्मेन ने कहा कि राज्य गठन के समय प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 19 लाख थी। आज यह संख्या बढ़कर 33 लाख से अधिक हो गई हैं। उपभोक्ता संतोष में वृद्धि करने की दिशा में आगे बढ़ते हुये स्पॉट बिलिंग, ई–सर्विस तथा न्यूनतम समय में नये कनेक्शन देने की अभिनव पहल की गई है। विद्युत देयकों के भुगतान सुविधा में भी बढ़ोत्तरी की गई है जिससे राजस्व संग्रहण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके लिये वितरण कंपनी के कर्मी बधाई के पात्र है।

शहरी विद्युत प्रणाली को उन्नत बनाने के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत प्रणाली का विस्तार किया गया है फलतः ग्रामीण विद्युतीकरण का स्तर 97.13 प्रतिशत तक जा पहुंचा है, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। मुझे कहते हुए खुशी हो रही है कि पूरे देश मे धान उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ को अव्वल आने का पुरस्कार प्राप्त हुआ है । यह कृषि जगत में ऊर्जीकृत पम्पों की बढ़ती संख्या का सूचक है । वर्ष 2011–12 के दौरान 20 हजार पम्पों के ऊर्जीकरण के लक्ष्य को मैदानी अधिकारी जल्द से जल्द अर्जित करें, तो भविष्य में भी हम प्रदेश को कृषि जगत में आगे बनाये रखेंगे।

पॉवर कम्पनी में कर्मियों को बेहतर सुविधा सेवा देने के संबंध में उन्होंने कहा कि कर्मियों के हितैषी विषयक नीतियों को सतत अपनाया गया हैं । यही वजह है कि अनुकम्पा नियुक्ति, चिकित्सा

सुविधा, पदोन्नति, नई नियुक्ति देने के अलावा सेवानिवृत्तजनों को भी सुविधा देने के मामलें में हमारी संस्था अग्रणी है। हर्ष का विषय है कि संस्था में न्यूनतम विद्युत दुर्घटना दर्ज हुई है । व्यक्तिगत बीमा दुर्घटना योजना के अन्तर्गत डेढ़ करोड़ से अधिक की जोखिम राशि पीड़ित कर्मचारियों के आश्रितों को प्रदान की गई है। भविष्य में भी कर्मियों के हित के प्रति पॉवर कंपनी सजग बनी रहेगी । स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पुरस्कार पाने वाले कर्मियों को बधाई देते हुए उन्होंने अन्य कर्मियों के लिए इसे प्रेरणास्पद बताया ।

समारोह में मुख्य सुरक्षा एवं अग्निशमन अधिकारी श्री एस.डी. ठाकुर के नेतृत्व में सुरक्षा अधिकारी श्री आर.के.साहू, प्लाटून कमाण्डर श्री आर.के.साहू, श्री सी.एल.साहू एवं बैन्ड दल के प्रमुख श्री ताराचंद बेन के निर्देशन में आकर्षक परेड मार्चपास्ट तथा देशभक्तिपूर्ण गीतों की प्रस्तुति सुमधुर धुन के माध्यम से की गई । समारोह का आंखो देखा हाल जनसंपर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने प्रस्तुत किया एवं अंत में आभार प्रदर्शन औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर. डी. सिंह ने किया ।

## प्रमुख विद्युत समंक 2011 का विमोचन

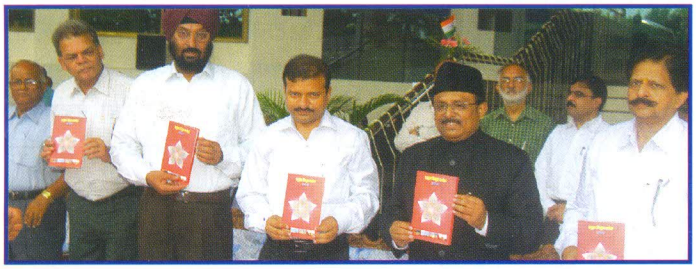

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक (मा.सं) कार्यालय द्वारा प्रकाशित प्रमुख विद्युत समंक 2011 का विमोचन पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी.जाय. ओम्मेन के कर कमलों से संपन्न हुआ । विद्युत सेवा भवन के प्रागंण मे आयोजित विमोचन समारोह में नव प्रकाशित समंक के हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रतियों को विमोचन हेतु महाप्रबंधक श्री कैलाश नारनवरे, उपमहाप्रबंधक श्री हेमन्त सचदेवा एवं हेमन्त तिवारी ने प्रस्तुत किया । समारोह में सभी कंपनी के प्रबंध निदेशक, होल्डिंग कंपनी के पूर्व प्रबंध निदेशक श्री व्ही के वर्मा, कार्यपालक निदेशक सर्वश्री डॉ0 एस.पी. शर्मा, एस.डी.दीवान एवं अन्य अधिकारियों ने समंक में प्रकाशित सामग्री की सराहना की ।

प्रमुख विद्युत समंक 2011 में प्रदेश में हुए विद्युत विकास को सांख्यकीय के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है । विद्युत उत्पादन की वर्तमान स्थिति, प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं का विवरण, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में उपकेन्द्रों लाईनों के निर्माण सहित उपभोक्ताओं और अधिकारियों–कर्मचारियों की संख्या का समावेश समंक में किया गया है । इस दृष्टि से इस छोटी सी पुस्तिका को अत्यधिक महत्वपूर्ण कहना उचित होगा ।

## राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत 81.32 करोड़ रूपये की स्वीकृति

छत्तीसगढ़ राज्य शासन की मंशानुरूप प्रदेश के सभी गॉवों को विद्युतीकृत करने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण किया जा रहा है। इस दिशा में माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह जी के विशेष प्रयासों से भारत सरकार के ऊर्जा विभाग द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीव्हीवाई) के अन्तर्गत कोरिया जिले के लिये 81.32 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इस योजना से संबंधित 21 जुलाई 11 को नई दिल्ली में संपन्न हुई बैठक में मान. मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से कोरिया हेतु बड़ी राशि की स्वीकृति मिली तथा जशपुर जिले की योजना को शीघ्र ही स्वीकृति दिलाने के कार्य में तेजी लाई गई।

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 18 जिलों में से 16 जिलों में विद्युतीकरण एवं विद्युत अधोसंरचना के कार्य पुरजोर प्रगति पर हैं। प्रदेश के मात्र दो जिले कोरिया एवं जशपुर इस योजना के लाभ से वंचित थे। आर.जी.जी.व्ही.वाई. से वंचित देश भर के ऐसे लंबित प्रकरणों की समीक्षा एवं आवश्यक राशि की स्वीकृति हेतु भारत सरकार के ऊर्जा विभाग द्वारा नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। इसमें पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध कुमार सिंह द्वारा प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिलों के विद्युतीकरण हेतु ठोस तथ्यपरक विवरण प्रस्तुत किये गये। फलस्वरूप इस पर सहमति देते हुये कोरिया जिले के लिये तत्काल समुचित राशि की स्वीकृति प्रदान की गई, जो कि आदिवासी बाहुल्य जिले के विकास हेतु एक बड़ी सफलता है।

कोरिया हेतु स्वीकृत राशि के द्वारा 82 अविद्युतीकृत ग्रामों तथा 441 मजरा–टोले के विद्युतीकरण एवं 23 हजार 571 गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन देने के कार्य पूर्ण किये जायेगे। इस राशि से कोरिया जिले की वितरण प्रणाली को भी उन्नत किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत 1972 नये वितरण ट्रांसफार्मर की स्थापना, 1441 किलोमीटर 11 केव्ही लाईन का विस्तार और 853 किलोमीटर निम्नदाब लाईन का विस्तार किया जायेगा, जिससे कोरिया जिले के विद्युत मानचित्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज होगी।

# 125 करोड़ की लागत से रायता में 400 के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माणाधीन

## विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री डे ने किया उपकेन्द्र का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश में सन् 1983 के बाद 400 के.व्ही. क्षमता के उपकेन्द्र का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर के निकट स्थित ग्राम रायता में लगभग 125 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित इस उपकेन्द्र की क्षमता 630 एम.व्ही.ए है। 400/220 के.व्ही. क्षमता के निर्माणाधीन इस उपकेन्द्र का प्रत्यक्ष निरीक्षण छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज डे, सदस्य श्री बी. के.शर्मा द्वारा कंपनी के प्रबंध संचालक श्री जी.एस.कलसी एवं अन्य उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस उपकेन्द्र के माध्यम से जांजगीर–चांपा के निकट स्थित निर्माणाधीन मड़वा ताप विद्युत गृह से उत्पादित बिजली की निकासी की जायेगी। उच्चाधिकारियों ने प्रदेश की विद्युत अधोसंरचना तथा पारेषण वितरण क्षेत्र के अपने दीर्घ अनुभव का लाभ स्थल पर उपस्थित अधिकारियों को दिया।राज्य गठनोपरांत प्रथत बार इतनी बड़ी क्षमता के उपकेन्द्र के बारे में जानकारी देते हुये पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी ने बताया कि 400 के.व्ही. की 6 पारेषण लाईनों से जुड़े इस उपकेन्द्र में 315 एम.व्ही.ए. के दो ट्रांसफार्मर स्थापित किये जा रहे हैं। यह प्रदेश के प्रथम उपकेन्द्र हैं, जहॉ पर सभी ऑकड़े स्वचलित पद्धति द्वारा दर्ज किये जायेंगे। उच्च तकनीकी पर आधारित इस उपकेन्द्र द्वारा मुख्यतः मड़वा विद्युत उत्पादन केन्द्र से उत्पादित बिजली का स्काडा (SCADA) प्रणाली पर संचालन किया जावेगा। इस विद्युत गृह से 1000 मेगावाट बिजली उत्पादित किये जाने का लक्ष्य है।

निर्माणाधीन उपकेन्द्र के संबंध में आगे श्री कलसी ने बताया कि इस उपकेन्द्र में न्यूनतम श्रमशक्ति के सिद्धांत पर आधारित कम्प्यूटर के मानीटर पर रिमोट से संचालन किया जावेगा। उपकेन्द्र के निर्माण का कार्य मेसर्स क्राम्पटन ग्रीव्ज के द्वारा छ.रा. विद्युत पारेषण कम्पनी के लिए टर्न–की आधार पर किया जा रहा है। इस उपकेन्द्र को समयसीमा में पूर्ण करने के प्रति विशेष बल देते हुये प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी ने स्थल पर उपस्थित मेसर्स कॉम्पटन ग्रीव्ज एवं पारेषण कम्पनी के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उपकेन्द्र में चल रहे कार्यों के अवलोकन के समय कंपनी के उच्चाधिकारियों के साथ ही पारेषण कंपनी के मुख्य अभियंता सर्वश्री डब्लू.आर.वानखेडे, विजय सिंह, पी.एम.जोग, एवं एम.के. शुक्ला अधीक्षण यंत्री सर्वश्री ए.पी.सिंह, ओ.पी.सिंह एवं जे.एस. भाटिया भी उपस्थित थे।

## स्टाफ आफिसर श्री सुभाष चन्द्रन की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण – संधारण) कार्यालय में पदस्थ स्टाफ आफिसर श्री सुभाष चन्द्रन को उनकी सेवानिवृत्ति पर दिनांक 30 जुलाई 2011 को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक श्री एस.डी.दीवान ने श्री सुभाषचन्द्रन को कंपनी की ओर से देय प्रशस्ति पत्र, प्रतीकात्मक भेंट तथा शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया। श्री दीवान के साथ ही कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने श्री चन्द्रन सहिज उनके सपरिवार सुखी एवं दीर्घायु होने की कामना की।

# निर्माणाधीन 1500 मेगावाट विद्युत संयंत्रों के कार्य प्रगति की समीक्षा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के कोरबा एवं मड़वा जांजगीर में निर्माणाधीन विद्युत गृहों के कार्य प्रगति की समीक्षा ऊर्जा सचिव श्री अमन सिंह ने की। विद्युत सेवाभवन के सभाकक्ष में 16 जुलाई 2011 को आयोजित बैठक में उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के. श्रीवास्तव सहित परियोजनाओं के निर्माण से सम्बद्ध भेल तथा अन्य अनुबंधित कंपनियों के 50 से अधिक उच्चाधिकारी शामिल हुये। कुल 1500 मेगावाट क्षमता की कोरबा एवं मड़वा परियोजना को वर्ष 2012 में क्रियाशील किया जाना निर्धारित है। इन परियोजनाओं की पूर्णता पर पॉवर कंपनी की वर्तमान क्षमता 1924 से 3424 मेगावाट हो जायेगी, जो कि प्रदेश के चहुँमुखी विकास के साथ ही जीरो पॉवर कट के लक्ष्य को बरकरार रखने में सहायक होगी।

बैठक में ऊर्जा सचिव श्री सिंह ने गुणवत्ता के साथ समयसीमा पर विद्युत संयंत्रों की पूर्णता के लिये जोर दिया। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह इन परियोजनाओं को समय पूर्व क्रियाशील करने की मंशा रखते हैं, चूंकि इससे प्रदेश के सुदृढ़ भविष्य की सुनिश्चितता तय हो सकेगी। अतः इन परियोजनाओं के कार्यों में ढिलाई को बर्दास्त नहीं किया जायेगा, श्रेष्ठ काम की सराहना की जायेगी, किन्तु कार्य में कोताही बरतने वालों को बख्शा नहीं जायेगा।

परियोजना स्थल पर समुचित सुरक्षा तथा पर्याप्त श्रमिकों की आवश्यकता पर बल देते हुये श्री सिंह ने कहा कि सुरक्षा को लेकर उत्पन्न परेशानियों की सीधी जानकारी उन्हें दी जा सकती है। परियोजना के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की रूकावट को दूर करने उच्च प्राथमिकता के साथ प्रशासनिक पहल की जायेगी। बैठक में प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के.श्रीवास्तव ने संयंत्रों के सिविल, मेकेनिकल तथा रेल्वे लाईन आदि से संबंधित कार्यों की प्रगति पर बिन्दुवार चर्चा की।

विदित हो कि दोनों परियोजनाओं के निर्माण कार्य में लगभग 6295 करोड़ के कार्य पूर्ण किये जाने है। जिसमें कोरबा पश्चिम विस्तार परियोजना में 500 मेगावाट की एक इकाई तथा मड़वा में 500–500 मेगावाट क्षमता की दो इकाईयों का निर्माण कार्य शामिल है। इस हेतु हरिद्वार, कोलकाता, चेन्नई, त्रिची, हैदराबाद, रानीपथ स्थित भेल के संयंत्रो से प्रमुख उपकरण मंगाये गये हैं। परियोजना स्थल पर रेल्वे लाईन के निर्माण का कार्य केन्द्र सरकार की कंपनी राइट्स द्वारा किया जा रहा है। भेल के सर्वश्री एम. राजीव कुमार, एम.पी.गोयल, बी.जी.आर.लिमिटेड के एन.सी. पी.पिल्लई तथा टेक्प्रो सिस्टम लिमि0 के अधिकारियों ने कार्य योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री पी.एल.विधानी, आर.के.जूडा, ओ.सी.कपिला, ए.के.सिंह, एम.के.चौधरी, जे.आर विदुला एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

## राष्ट्रीय नृत्य श्री अवार्ड हेतु ऋचा क्षत्रिय चयनित

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी रायगढ़ कार्यालय में कार्यरत श्री क्षत्रिय की प्रतिभाशाली सुपुत्री कु. ऋचा क्षत्रिय का चयन राष्ट्रीय नृत्य श्री अवार्ड हेतु हुआ है। यह अवार्ड उत्कल युवा सांस्कृतिक संघ द्वारा कटक उड़ीसा में आयोजित इंडिया थियेटर ओलम्पियार्ड 2011 में उन्हें प्रदान किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि कु. ऋचा ने अनेक राज्य, राष्ट्रस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एकल ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति देकर अनेक पुरस्कार अर्जित कर पॉवर कंपनी परिवार को गौरवान्वित किया हैं। बधाई .....

# बीमा योजना के लम्बित भुगतान का निराकरण करने पॉवर कम्पनी में राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के अधिकारियों/कर्मचारियों के अंशदायी सामूहिक बीमा योजना के लम्बित भुगतान का निराकरण करने हेतु एक राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन 16 जुलाई को किया गया। पॉवर कंपनी मुख्यालय के विद्युत सेवाभवन में औद्योगिक सम्बन्ध एवं श्रम कल्याण विभाग तथा एल.आई.सी. कस्टमर अवेयरनेस जोन के संयुक्त प्रयास से कार्यशाला संपन्न हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एस.एन. चौहान ने इस कैम्प के आयोजन को बहुपयोगी ठहराते हुये जी.एस.एल.आई.सी. के प्रकरणों के शीघ्र निराकरण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी कर्मचारी हितैषी नीतियों का सर्वोच्च प्राथमिकता से पालन करता है। बीमा संबंधी कार्यों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ पूरा करने की जवाबदारी मैदानी अधिकारियों की है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर.डी. सिंह ने कहा कि कंपनी में जी.एस.एल.आई.सी. के मद में काटी जा रही राशि में से नार्मल डेथ में कुल जमा राशि, एक्सीडेंटल डेथ के केस में दोगुनी राशि और सेवानिवृत्ति के प्रकरण में कुल जमा राशि का 56 प्रतिशत भुगतान कर्मियों को किया जाता है।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत श्री आर.डी.सिंह, कोरबा के वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री गोपाल खंडेलवाल, एवं श्री सरयू प्रसाद बारले ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इस अवसर पर पॉवर होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे, वितरण कंपनी के श्री संदीप मोदी और एलआईसी की ओर से श्री पूर्णेन्द्र कुमार पाण्डे, मैनेजर सी जोन श्री पंकज गोपाल, डिवीजनल मैनेजर पेंशन एण्ड ग्रुप सेविंग और श्रीमती शालिनी टोप्पो कस्टमर एक्ज्यूकेटिव्ह सहित पॉवर कंपनी के सभी क्षेत्रीय मुख्यालय के कल्याण अधिकारी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री के.बी.एल.चौकसे ने किया। कार्यक्रम का संचालन रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा ने किया।

# पॉवर कम्पनी के 14 कर्मी उत्कृष्ट कार्यों के लिये हुये पुरस्कृत

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के 14 अधिकारियों/कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिये छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव सह पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी.जॉय उम्मेन द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुरस्कृत किया गया। विद्युत सेवाभवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में उन्होंने कहा कि प्रदेश के पहुंचविहीन ग्रामों, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत प्रणाली का विस्तार, विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि, उपभोक्ता सेवा में सुधार के लिये तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। यही वजह है आज छत्तीसगढ़ का नाम विद्युत विस्तार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस हेतु विद्युत कर्मी बधाई के पात्र हैं। पुरस्कृत कर्मियों के कार्यों को अन्य कर्मियों के लिये श्री उम्मेन ने प्रेरणास्पद निरूपित किया। पुरस्कार वितरण समारोह में महाप्रबंधक मानव संसाधन श्री कैलाश नारनवरे द्वारा पुरस्कृतजनों के उल्लेखनीय कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया।

महाप्रबंधक श्री नारनवरे ने बताया कि दंतेवाड़ा के लाईन परिचारक सर्वश्री पंडरूराम एवं सुखदेव सिंह को धुर नक्सली क्षेत्रों के ग्रामों में स्थित विद्युत लाईन के संधारण कार्यों के लिये पुरस्कृत किया गया। इसी तरह अधीक्षण अभियंता श्याम सुन्दर शर्मा को विश्रामपुर जगदलपुर जैसे वनबाधित क्षेत्रों में 220/132 केव्ही विद्युत लाईनों के निर्माण संबंधी कार्य, लाईन परिचारक श्रेणी–दो श्री दशरथ प्रसाद कोल को कोटमीकला उपकेन्द्र के ट्रांसफार्मर में लगी आग को बुझाने, संयंत्र पर्यवेक्षक श्रेणी–दो श्री एस.सी.तिवारी को विषम परिस्थितियों में विद्युत प्रणाली को ठप्प होने से बचाने, सहायक अभियंता श्री अमर लोक श्रीवास्तव को मड़वा–तेंदूभाठा परियोजना हेतु आवश्यक भू–अर्जन कार्यों के निष्पादन के लिये दो हजार रूपये, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

इसी तरह कार्यपालन अभियंता श्री ओ.पी.भारद्वाज को विद्युत चोरी रोकने, सहायक अभियंता श्रीमती मधुमति नागवंशी को डोंगरगढ़ वितरण केन्द्र में ट्रांसफार्मर की विफलता को कम करने एवं स्पॉट बिलिंग का कार्य आरम्भ करने, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती तृप्ति सिन्हा को पारेषण कंपनी के टेरिफ निर्धारण, उपमहाप्रबंधक श्री वीरेन्द्र कुमार चड्डा को मानव संसाधन संबंधी कार्यों के त्वरित निराकरण करने, कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.के. सेन चौधरी को अनुपयोगी स्क्रेप का प्रक्रिया अनुसार विक्रय करने, कार्यपालन अभियंता श्री विनय कुमार पाण्डे को विद्युत नियामक आयोग के समक्ष टेरिफ संबंधी विनियमन के निर्धारण, कल्याण अधिकारी श्री अतुल तिवारी को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की राशि की प्राप्ति तथा कार्यलय सहायक श्रेणी–दो श्री तुलसी प्रसाद तिवारी को कार्यालयीन कार्यों का श्रेष्ठ निष्पादन हेतु स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में उपस्थित प्रबंध निदेशक सर्वश्री सुबोध सिंह, जी.एस.कलसी, व्ही.के.श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों–कर्मचारियों ने पुरस्कृतजनों को बधाई दी।

# प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को शीघ्र मिलेगी स्पॉट बिलिंग की सुविधा

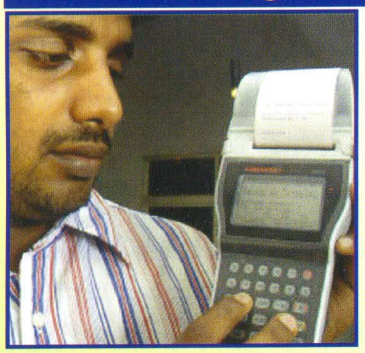

छत्तीसगढ़ राज्य वितरण कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा में लगातार वृद्धि की जा रही है। विद्युत देयकों की गड़बड़ी को समाप्त करने की दृष्टि से समूचे प्रदेश में स्पॉट बिलिंग की सुविधा का क्रियान्वयन शीघ्र किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत प्रथम चरण में 17 शहरों में स्पॉट बिलिंग की योजना आरम्भ कर दी गई है। इस संबंध में प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने संबंधित शहरों के कार्यपालन अभियंताओं की एक समीक्षा बैठक ली। विद्युत सेवाभवन में संपन्न हुई बैठक में प्रदेश के शेष 20 शहरों में भी द्वितीय चरण में स्पॉट बिलिंग योजना के क्रियान्वयन के लिये रूपरेखा तैयार की गई।

एम डी श्री सुबोध सिंह ने विद्युत देयकों में गड़बड़ी को दूर करने तथा देयकों के भुगतान को सरल बनाने की दृष्टि से स्पॉट बिलिंग के कार्य सभी शहरों में शीघ्रातिशीघ्र आरम्भ करने के कड़े निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने स्पॉट बिलिंग कार्य को संपन्न करने वाली चारों एजेंसियों को उपभोक्ताओं के मोबाईल नंबर प्राप्त कर एस.एम.एस. के माध्यम से उन्हें बिल वितरण संबंधी जानकारी देने को सुनिश्चित करने कहा।

बैठक में जिन 17 शहरों की स्पॉट बिलिंग की समीक्षा की गई उसमें दुर्ग, भिलाई, महासमुंद, चरौदा, भाटापारा, दल्लीराजहरा, कवर्धा, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, जगलपुर, कांकेर, मनेन्द्रगढ़, अंबिकापुर एवं चिरमिरी शामिल है। इन शहरों के लगभग 3 लाख 55 हजार उपभोक्ताओं को स्पॉट बिलिंग की सुविधा देने की पहल की गई है। इसमें से 40 प्रतिशत शहरों में यह कार्य आरम्भ हो गया है। शेष शहरों में माह अगस्त तक स्पॉट बिलिंग की सुविधा आरम्भ करने की समयसीमा निर्धारित की गई है। स्पॉट बिलिंग हेतु दिल्ली (गुड़गांव) के मेसर्स ए टू जेड, मेसर्स कैम्ब्रिज रायपुर, मेसर्स जोगेवार दुर्ग तथा मेसर्स राघवेन्द्र सिंह बिलासपुर को कार्य सौंपा गया है।

इस योजना के द्वितीय चरण के अन्तर्गत प्रदेश के करीब 20 शहरों को शामिल किया गया है। जहॉ कि 4 लाख 10 हजार उपभोक्ता है। स्पॉट बिलिंग के आरम्भ हो जाने से उपभोक्ताओं को अपने ही परिसर में त्रुटिरहित बिल की प्राप्ति हो सकेगी। इसके अलावा उपभोक्तागण चाहें तो चेक के माध्यम से स्पॉट बिलिंग कर्मी को विद्युत देयक का भुगतान कर सकते हैं।

बैठक में प्रबंध निदेशक सहित सलाहकार श्री ए.पी.नामदेव, श्री जी.एस.देशपाण्डे, कार्यपालक निदेशक श्री जी.एल.बिजौरा, श्री एच. आर. नरवरे,श्री गुप्ता सहित 17 शहरों के कार्यपालन अभियंता एवं स्पॉट बिलिंग करने वाली फर्मों के संचालकगण उपस्थित थे।

# नये विद्युत कनेक्शन लेने की प्रक्रिया का सरलीकरण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा नये विद्युत कनेक्शन देने की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह ने न्यूनतम समय में विद्युत कनेक्शन देने और इसकी प्रक्रिया को सरल बनाने के निर्देश वितरण कंपनी को दिये थे। इस विषय पर पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री पी0जॉय उम्मेन के मार्गदर्शन में वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह एवं अन्य उच्चाधिकारियों ने बैठक की। बैठक में हुये निर्णय के मुताबिक अब विद्यमान निम्नदाब लाईन से शहरी क्षेत्रों में तीन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सात कार्य दिवसों में कनेक्शन प्रदान कर दिया जायेगा। यह नई सुविधा 01 सितम्बर से प्रदेश में लागू करने की तैयारी वितरण कंपनी ने की है।

वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह ने सभी क्षेत्रीय एवं मैदानी अधिकारियों को इस बाबत् पत्र प्रेषित कर कड़े निर्देश दिये हैं कि उपभोक्ताओं के कनेक्शन संबंधी आवेदनों का निराकरण हर हाल में निर्धारित समयावधि में पूर्ण किये जायें। तय समय–सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर उपभोक्तागण सीधे संबंधित क्षेत्र के मुख्य अभियंता को शिकायत कर सकेंगे ।

नई योजना के मुताबिक उपभोक्ता को निकटस्थ विद्युत कार्यालय में मात्र 200 रूपये प्रक्रिया शुल्क देकर आवेदन पत्र प्राप्त करना होगा । आवेदन पत्र में घोषणापत्र, प्रतिकिलोवॉट विद्युत शुल्क की दर एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का प्रकाशन किया गया है । इसके आधार पर उपभोक्ता स्वयं सर्वे करके, सक्षम लाइसेंसी विद्युत ठेकेदार से टेस्ट रिपोर्ट प्राप्त कर आवश्यक विद्युत शुल्क के साथ विद्युत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा कर सकेगा । जमा पत्र में दर्शाये आवश्यक लोड के लिए प्राकलन एवं एग्रीमेन्ट को स्वीकृत करने हेतु सहायक एवं कनिष्ठ अभियंता अधिकृत किये गये है ।

आवेदन पत्र के साथ ही उपभोक्ता को सुरक्षा निधि तथा सर्विस प्रभार की राशि के साथ टेस्ट रिपोर्ट, घोषणा पत्र और हस्ताक्षरित अनुबंध पत्र जमा करना होगा। इस तरह सम्पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्ति की तिथि के तीन दिनों उपरांत शहरी क्षेत्रों में 10 किलोवॉट तक के भार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सात कार्यदिवस पर 5 किलोवॉट तक के भार हेतु कनेक्शन देने संबंधी कार्य हर हाल में पूर्ण कर दिया जायेंगा । नये विद्युत कनेक्शन देने हेतु पर्याप्त मात्रा में विद्युत मीटर एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरण केन्द्रों में उपलब्ध करना सुनिश्चित किया गया है । विदित हो कि पूर्व में नये कनेक्शन लेने हेतु दो से तीन माह तक का समय लग जाता था । इससे उपभोक्ता के समय, श्रम व अर्थ का अनावश्यक अपव्यय होता था साथ ही अन्य परेशानियों का सामना उपभोक्ताओं को करना पड़ता था। नई योजना को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत करने की भी तैयारी की गई है । निकट भविष्य में कॉल सेन्टर के माध्यम से उपभोक्तागण नये कनेक्शन लेने संबंधी कार्यो को भी पूर्ण कर सकेंगे ।

# मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों की भावभीनी बिदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग में पदस्थ अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री संदीप कुमार चौधरी की पदोन्नति महाप्रबंधक के पद पर उत्पादन कंपनी में होने, प्रबंधक श्री हरीश कुमार बघेल के अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरांत पारेषण कंपनी में पदस्थापना तथा अनुभाग अधिकारी श्री रवि दाण्डगे एवं श्री कमलेश कुमार गुप्ता के पारेषण कंपनी में स्थानान्तरण होने पर भावभीनी विदाई होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग की ओर से दी गई । विदाई समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक श्री कैलाश नारनवरे ने विदा लेते अधिकारियों–कर्मचारियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दी ।

विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारीगण सर्वश्री डी.डी. पात्रीकर, एस.आर.बांधे, सी.एस.ठाकुर, दिनेश शुक्ला, मुश्ताक अहमद, एन.के.कागदे, पंकज सिंह, रूबेन बारा सहित अन्य अधिकारियों–कर्मचारियों ने भी अपनी मंगल कामना व्यक्त की । कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक श्री टी. रामप्रसाद राव ने किया ।

# तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना पर आधारित कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार के केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी तथा औद्योगिक संबंध एवं श्रम कल्याण विभाग द्वारा तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ 03 अगस्त 11 को आफिसर्स क्लब डंगनिया रायपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती के सामने दीप प्रजव्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक (पारेषण–होल्डिंग) श्री जी.एस.कलसी ने कहा कि कार्यशाला में प्राप्त जानकारी का लाभ कर्मचारी अपने दैनंदिनी कार्यों में करेंगे जिससे शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में पॉवर होल्डिंग कंपनी के औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर.डी.सिंह ने कार्यशाला की प्रासंगिकता तथा उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुये बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में 20 प्रशिक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के साथ साथ औद्योगिक संबंध कार्यालय से संबंधित मुख्य कार्य तथा दुर्घटना, कर्मचारी क्षतिपूर्ति भुगतान, दुर्घटना बीमा इत्यादि जानकारी दी जायेगी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे, मुख्य अभियंता (ईएचटी) श्री डब्लू.आर.वानखेड़े, श्री पी.एम.जोग, केन्द्रीय शिक्षा अधिकारी श्री अरविन्द धुर्वे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश नैयर तथा आभार प्रदर्शन श्री के.बी.एल. चौकसे ने किया। भारत सरकार के केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल द्वारा कर्मचारियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी विभिन्न उदाहरणों, कहानियों, वृत्त चित्रों, प्रश्नावली प्रतियोगिता आदि माध्यमों से दी जायेगी। दो दिवसीय कार्यशाला में पारेषण कंपनी के अधिकारी भी प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देंगे। केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल द्वारा पॉवर कंपनी के तकनीकी कर्मियों को विगत एक वर्ष से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

# कोरबा पश्चिम में हृदय रोग एवं तंत्रिका रोग शिविर आयोजित

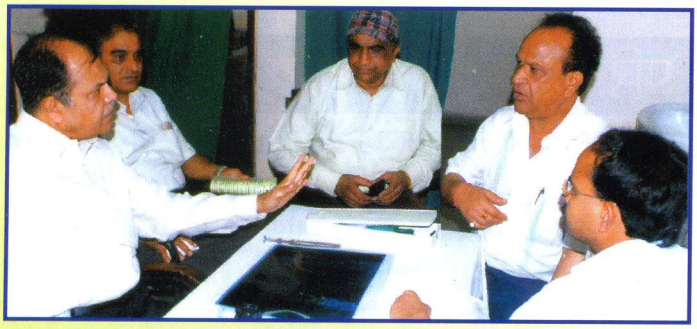

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य परिक्षण हेतु हृदय रोग एवं तंत्रिका रोग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बालाजी हास्पीटल रायपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. श्री एम.एस.मोहन्ती तथा तंत्रिका रोग विशेषज्ञ डॉ. श्री के.के.भोई ने रोगियों का परीक्षण कर उन्हे उचित परामर्श दिया।

शिक्षा शिविर के मुख्य अतिथि श्री सी.पी.पांडे कार्यपालक निदेशक, कोरबा पूर्व तथा कार्यक्रम अध्यक्ष श्री एस.एन.अग्रवाल, मुख्य अभियंता कोरबा पश्चिम की उपस्थिति में डॉ. मोहन्ती ने बताया कि युवा अवस्था से ही हमें संयमित आहार एवं व्यायाम को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाना चाहिये क्योंकि एक बार धमनियों में वसा जमा हो जाने पर व्यायाम करने से उसमें कमी नहीं होती है।

मुख्य अभियंता श्री एस.एन.अग्रवाल ने कहा कि हमें अपने कार्य के साथ–साथ अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिये क्योंकि स्वस्थ कर्मचारी संयंत्र की बहुमूल्य धरोहर है। उन्होंने ऐसे स्वास्थ्य शिविर नियमित अंतराल में किये जाने पर जोर दिया क्योंकि इन शिविरों से संयंत्र को अप्रत्यक्ष लाभ होता है।

इसके पूर्व डॉ. मोहन्ती तथा डॉ. भोई ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। शिविर में हृदय रोग के 33 एवं तंत्रिका रोग के 38 रोगियों का परीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। कार्यक्रम का संचालन श्री पी.के. दवे, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ए.के. बाजपेयी वरिष्ठ चिकित्सक द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. के.एन.साहू, डॉ. आर.के.साहू, डॉ. इंदू साहू एवं कोरबा पूर्व से डॉ. एच.एल. पंचारी, डॉ. एस.सी.खरे एवं डॉ. श्रीमती थामस तथा चिकित्सालय के समस्त पैरामेडिकल स्टाफ का बहुमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ।

# केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा पॉवर कंपनी के कर्मियों को प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ पॉवर कम्पनी के उत्पादन, वितरण एवं पारेषण निकाय में शून्य विद्युत दुर्घटना के साथ तेज प्रगति की नीति को अमल में लाया जा रहा है। इसे कारगर करने पारेषण संकाय के कर्मचारियों के लिये दो विशेष प्रशिक्षण–कार्यशाला का आयोजन डंगनिया में किया गया। कार्यशाला में शामिल प्रशिक्षुओं को भारत सरकार के केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, के दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्पादन–ट्रेडिंग प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के. श्रीवास्तव एवं समारोह के अध्यक्ष पारेषण–होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी एवं विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे थे। अतिथियों ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर कार्य पद्धति को बेहतर बनाने का आव्हान किया।

मुख्य अतिथि श्री श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि विद्युत का उत्पादन–वितरण–पारेषण जोखिम भरा कार्य होता है। ऐसे कार्यक्षेत्र में शून्य विद्युत दुर्घटना की दिशा में आगे बढ़ना सभी के लिये हितकर है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान को अपने अन्य सहकर्मियों के बीच बांटने पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रबंध निदेशक श्री कलसी ने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ सुरक्षा नियमों का पालन कर्मियों की सफलता को सुनिश्चित करता है। पॉवर कम्पनी कर्मियों को तनाव मुक्त कार्य संस्कृति देने कृतसंकल्पित है। अतः भविष्य में ऐसे बहुपयोगी प्रशिक्षण का आयोजन निरन्तर किया जायेगा।

कार्यशाला के संयोजक औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर.डी. सिंह, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल के क्षेत्रीय निदेशक श्री अरविन्द धुर्वे एवं श्री प्रशांत गजभिये ने प्रशिक्षुओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी विभिन्न रोचक कहानियों, वृत्त चित्रों, प्रश्नावली प्रतियोगिता आदि माध्यमों से दी। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत मुख्य अभियंता श्री डब्लू.आर. वानखेड़े, पी.एम. जोग, एपी सिंह, तृप्ती सिन्हा, के.बी.एल. चौकसे ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश नैयर तथा आभार प्रदर्शन आई.आर.ओ. श्री आर.डी सिंह ने किया।

# मड़वा–तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना में राष्ट्रीय पर्व

मड़वा–तेन्दूभाठा ताप विद्युत परियोजना में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री आर.के.जूडा, कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात् ध्वजारोहण, राष्ट्रीय गान एवं सुरक्षा गार्ड की सलामी ली गई। श्री जूडा ने समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनीज रायपुर से प्राप्त संदेश का वाचन किया, साथ ही परियोजना में किये जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, निर्माण कार्यों से संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

# हसदेव ताप विद्युत गृह में सद्भावना दिवस पर शपथ ली गई

हसदेव ताप विद्युत गृह में सद्भावना दिवस समारोह का आयोजन 20 अगस्त को किया गया। सभी धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकीकरण और सदभावना को प्रोत्साहित करने के लिए सद्भावना प्रतिज्ञा की शपथ ली गई। श्री एस.एन.अग्रवाल, मुख्य अभियंता द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री अजय श्रीवास्तव एवं श्री एस. के.बंजारा अति.मुख्य अभियंता द्वय, श्री के.पी.बेनर्जी वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ, श्री एन.के.बिजौरा, श्री कुमार मुखर्जी, श्री आर.सी.जैन, श्री के.आर.ठाकुर, श्री आर.के.शास्त्री, श्री कोसरिया समस्त अधीक्षण यंत्री, श्री पी.के.दवे, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी सहित बहुत अधिक संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा की शपथ ली।

# डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजी ताप विद्युत गृह में "स्वतंत्रता दिवस" समारोह सोल्लासपूर्ण सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में "स्वतंत्रता दिवस समारोह श्री आर.डी.सोनकर कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) के मुख्य आतिथ्य एवं श्री डी.महतो, अति. मुख्य अभियंता (संचा./संधा) की अध्यक्षता में सानंद सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री एस.एम.गोवर्धन, अधीक्षण यंत्री (विद्युत परी. व उपकरण) व डॉ जी.पी.दुबे, मुख्य रसायनज्ञ भी मंचासीन थे। मुख्य अतिथि श्री सोनकर द्वारा सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया गया व राष्ट्रीय गान के पश्चात् राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। उनके द्वारा सुरक्षा सैनिकों की परेड का निरीक्षण भी किया गया। इस परेड का नेतृत्व सुरक्षा निरीक्षक श्री आर.के.चौरे ने किया। तदोपरांत ,विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमांक एक की छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत का गायन किया गया। इस अवसर पर संयंत्र की जानकारियों से संबंधित लीफ्लेट का विमोचन भी किया गया।

आगे श्री सोनकर ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेका श्रमिकों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई व शुभकामनाएं देते हुये अपने उद्‌बोधन में कहा कि जब भी कभी चुनौतियां आती है, उसका दृढ़तापूर्वक मुकाबला करना चाहिये। उन्होंने संयंत्र द्वारा स्थापित कीर्तिमानों का उल्लेख करते हुये आशा व्यक्त की कि आपसी समन्वय व समर्पण से संयंत्र भविष्य में भी उत्तम कार्य निष्पादन कर सकेगा। उन्होंने विगत माहों में संयंत्र द्वारा अर्जित गुणवत्ता प्रमाणीकरण, जल संरक्षण हेतु संचालित एश वाटर रिसाईक्लिंग प्रणाली, भू–विस्थापित परिवारों के नामांकितों को कंपनी द्वारा प्रदत्त रोजगार व ठेका कर्मियों के कल्याण हेतु किये गये कार्यो का उल्लेख कर इस संबंध में प्रसन्नता जाहिर की।

श्री अतुल पुनवटकर अधीक्षण यंत्री (मानव संसाधन) द्वारा आभार प्रदर्शन व श्री जी. खण्डेलवाल, वरिष्ठ कल्याण अधिकारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। समारोह को सफल बनाने में विभिन्न विभाग यथा सिविल, विद्युत सुधार, सुरक्षा, अग्निशमन, सेवाएं सहित समस्त अधिकारियों–कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा।

# बिलासपुर क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह

बिलासपुर क्षेत्र मुख्यालय के प्रशासनिक भवन परिसर में मुख्य अभियंता श्री जे.पी.सिंह के मुख्य आतिथ्य में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया । समारोह में उपस्थित अधिकारियों–कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं उन्होंने दी । इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री टी.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री के.एस.संधु तथा कार्यपालन अभियंता सर्वश्री ए.के.डे, आर.एस.पुरसेट सहित बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

श्री सिंह ने ध्वजारोहण के उपरांत अपने संबोधन में विद्युत विकास पर प्रकाश डालते हुए सतत् विकास की गति को बढ़ाने का आहवान किया । उन्होंने इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों सर्वश्री एस.के.सतपथी, एस. टी.एम.संभाग, रायगढ़, ए.के.गुरजर संचा./संधा. संभाग कोरबा तथा लोकनाथ देशमुख को सम्मानित किया । मुख्य अभियंता श्री सिंह ने उत्कृष्ट कर्मियों के कार्यों को अन्य सेवारत जनों के लिए प्रेरक निरूपित किया ।

# राजनांदगांव क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी राजनांदगांव के क्षेत्रीय मुख्यालय प्रशासनिक भवन परिसर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर श्री शारदा सिंह, मुख्य अभियंता (राज.क्षेत्र) के कर कमलों से ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के 6 कर्मचारियों को रजत पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

राष्ट्रीय पर्व पर सर्वश्री परसराम साहू, कार्यालय सहायक श्रेणी–दो, राजनांदगांव संभाग, यशवंत राजपूत, परिचारक श्रेणी–एक, लाईन, चौकी उपसंभाग (डोंगरगांव उपसंभाग), शेख इसराफिल मोहम्मद, परिचारक श्रेणी–तीन, कवर्धा वितरण केन्द्र (कवर्धा संभाग), श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा, परिचारक श्रेणी–दो (निर्माण उपसंभाग, खैरागढ़) श्री हेमंत कश्यप, परिचारक श्रेणी–दो, राजनांदगांव शहर वितरण केन्द्र (राजनांदगांव संभाग) एवं श्री हुतेन्द्र कुमार साहू, टी.ए. ग्रेड–दो, डोंगरगांव संभाग को सम्मानित किया गया। इसके अलावा लाईन मेन ट्रेनिंग के 132वें प्रशिक्षण सत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु श्री रामगोपाल साहू, मोहला वितरण केन्द्र डोंगरगांव संभाग को पदक एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाईयां एवं शुभकामनाएं देते हुए कंपनी हित में और अधिक समर्पण भाव से कार्य करने का आव्हान श्री सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सर्वश्री एम.जामुलकर, अति.मुख्य अभियंता, पी.एस. यादव, अधीक्षण अभियंता(कार्या.), आर.एन.याहके अधीक्षण अभियंता (राज.वृत्त), एस.आर.गुर्जर, कार्यपालन अभियंता (एसटीएम), बी.के. कुमरे (एसटीआरई), श्री ओ.पी.बंछोर, कार्यपालन अभियंता(सिविल), बी. पी.गुप्ता, कार्यपालन अभियंता (कार्या.), ए.के.उमरे, कार्यपालन अभियंता राजनांदगांव, एस.के.जैन, सहायक अभियंता, आलोक दुबे सहायक अभियंता व अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे, कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अशोक पिल्लई, कल्याण अधिकारी ने किया। आभार प्रदर्शन श्री पी.एस.यादव, अधीक्षण अभियंता द्वारा किया गया।

# हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम स्वतंत्रता दिवस समारोह में अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मानित

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में स्वतन्त्रता दिवस पर संयंत्र हित में स्वविवेक से उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कंपनी मुख्यालय स्तर पर सर्वश्री प्रवीण श्रीवास्तव कार्यपालन अभियंता, के.के.मिश्रा कार्यपालन अभियंता, अनिल श्रीवास्तव सहायक अभियंता, पी. उरमलिया सहायक अभियंता, नंदलाल संयंत्र पर्यवेक्षक श्रेणी–तीन एवं बद्री प्रसाद चन्द्रा संयंत्र सहायक श्रेणी–एक को श्री एस.एन.अग्रवाल मुख्य अभियंता द्वारा प्रशस्ति पत्र, ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

इसके पूर्व श्री अग्रवाल ने संयंत्र परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सुरक्षा सैनिकों की परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों को गत वित्तीय वर्ष में 91 प्रतिशत पी.एल.एफ.के साथ 6696 मि.यू. विद्युत उत्पादन करने पर बधाई देते हुये कहा कि यह आपकी कड़ी मेहनत एवं कुशल तकनीकी ज्ञान के बल पर संभव हो पाया है।

स्थानीय स्तर पर भी उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री ओ.सी.कपिला प्रोजेक्ट मैनेजर, श्री अजय श्रीवास्तव अति. मुख्य अभियंता, श्री के.पी.बनर्जी वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ, श्री एन.के.बिजौरा अधीक्षण यंत्री, संकल्प महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती हंसा अग्रवाल एवं अन्य सदस्याओं सहित बहुत अधिक संख्या में अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

# श्री संदीप चौधरी विद्युत उत्पादन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) बने

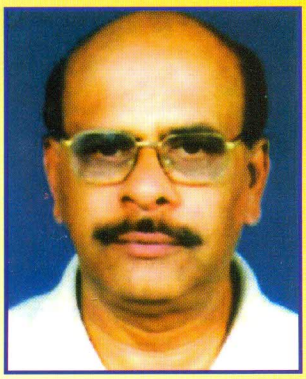

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी में श्री संदीप चौधरी की पदोन्नति मुख्य अभियंता के पद पर की गई तथा उन्हें महाप्रबंधक (मानव संसाधन) बनाया गया। पदोन्नति के पूर्व श्री चौधरी छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी में अतिरिक्त महाप्रबंधक के पद पर पदस्थ थे। पदोन्नति एवं नई पदस्थापना हेतु कंपनी के उच्चाधिकारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनायें दी। 07 जून 1953 को जबलपुर में जन्में श्री चौधरी ने अपनी माता स्व0श्रीमती रेखा चौधरी एवं पिता स्व0 ललित कुमार चौधरी से आगे बढ़ने की प्रेरणा ली।

वर्ष 1968 में आपने हायर सेकण्डरी की परीक्षा तथा वर्ष 1976 में बी.ई. मेकेनिकल की परीक्षा जबलपुर से उर्त्तीण की। आगे अपनी शिक्षा पूरी करने के उपरांत वर्ष 1977 से प्रशिक्षु (जी.टी.) के रूप में अपने कैरियर का आरम्भ मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल कोरबा से किया। वर्ष 1978 में आपको सहायक अभियंता, वर्ष 1991 में कार्यपालन अभियंता एवं वर्ष 2006 में अधीक्षण अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने कोरबा, सारनी, एवं रायपुर में अपनी सेवायें दी। आगे वर्ष 2011 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई।

कार्य के प्रति निष्ठा और कार्यदक्षता के बलबूते सेवायात्रा में अनवरत् आगे बढ़ते हुये आपने विभिन्न विद्युत गृहों के अलावा सचिवालय में भी अपनी सफलतम सेवायें दी है। इसी कम में आपको 15 जुलाई 2011 को मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना उत्पादन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) पद पर की गई। क्रिकेट, बैडमिण्टन एवं सामाजिक कार्यों में आपकी विशेष अभिरूचि है।

# डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में सद्भावना दिवस की प्रतिज्ञा ली गई

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में 19 अगस्त 2011 को प्रशासनिक भवन के समक्ष कार्यपालक निदेशक(उत्पा.) श्री आर.डी.सोनकर द्वारा ''सद्भावना दिवस'' के अवसर पर साम्प्रदायिक सौहार्द व राष्ट्रीय एकता की प्रतिज्ञा दिलाई गई । इस अवसर पर बड़ी संख्या में संयंत्र में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी व ठेका श्रमिक उपस्थित थे ।

# बिलासपुर क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह में अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मानित

बिलासपुर क्षेत्र में 15 अगस्त 2011 को प्रशासनिक भवन के प्रांगण में श्री जे.पी.सिंह मुख्य अभियंता बिलासपुर क्षेत्र बिलासपुर द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं उत्कृष्ट कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री टी.के. मेश्राम अति. मुख्य अभियंता एवं श्री के.एस.संधु अधीक्षण यंत्री तथा ए.के.डे. श्री आर.एस.पुरसेट कार्यपालन यंत्री एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उत्कृष्ट एवं सम्मानित कर्मचारी के नाम सर्वश्री ए.के.सतपथी परी. सहा.श्रेणी–एक (एसटीएम) संभाग रायगढ, ए.के.गुरजर कार्या.सहा.श्रेणी–एक कार्यपालन यंत्री (संचा–संधा) संभाग कोरबा, लोकनाथ देशमुख लाइन परि.श्रेणी–एक कार्यपालन यंत्री (संचा–संधा) संभाग कोरबा है।

# पॉवर कंपनी मुख्यालय में सदभावना दिवस मनाया गया

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग, रायपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार पॉवर कम्पनी मुख्यालय डंगनिया में सेवाभवन के समक्ष 19 अगस्त 11 को प्रातः 11.00 बजे विद्युत कम्पनियों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ''सदभावना दिवस'' की प्रतिज्ञा लिया। इस अवसर पर पॉवर कम्पनी के प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री सुबोध सिंह, जी.एस.कलसी एवं व्ही.के.श्रीवास्तव, महाप्रबंधक द्वय श्री कैलाश नारनवरे, श्री संदीप चौधरी सहित सभी उपस्थित कर्मियों ने प्रतिज्ञा लिया कि ''जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करेंगे। हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझायेंगे''। प्रतिज्ञा का वाचन औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री आर.डी.सिंह ने किया, जिसका दोहराव उपस्थित समुदाय द्वारा किया गया।

सदभावना पखवाड़ा के समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य अभियंता श्री डब्ल्यू.आर.वानखेड़े तथा अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल, उपमहाप्रबंधक श्री सौमित्र दुबे थे । कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एवं कौमी एकता पर केन्द्रित विविध साहित्यिक संगोष्ठी के प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नारनवरे ने कहा कि आदिकाल से हमारा देश एकता व अखण्डता के पर्याय के रूप में समूचे विश्व में जाना जाता है । इसके मूल में सबसे बड़ी ताकत देश के सभी वर्गों के बीच निहित सद्भावना ही है । इतिहास साक्षी है कि हमारी साम्प्रदायिक सद्भावना को तोड़ने की कोशिश अनेक बार की गई किन्तु ऐसी कोशिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब हर हिन्दुस्तानी ने दिया हैं । आगे भी हमारी यह शक्ति अटूट रहेगी । यह संकल्प, यह प्रतिज्ञा हमें अपने भीतर बनाये रखना हैं ।

कार्यक्रम के संयोजक श्री आर.डी.सिंह ने सद्भावना पखवाड़े के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि इससे हमारी गौरवशाली संस्कृति सुरक्षित रहेंगी । समारोह में अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ कल्याण अधिकारी सर्वश्री बी.एल.चौकसे, अतुल तिवारी, दीनानाथ वर्मा, आर.पी. गुरूदीवान ने किया । कार्यक्रम का संचालन योगेश नैयर द्वारा किया गया ।

सद्भावना पखवाड़े में विद्युत कर्मियों द्वारा अहिंसा, अखण्डता, सहिष्णुता की आवश्यकता एवं महत्ता को लेकर काव्य पाठ की गई । इसमें शामिल डी.ललिता, किरणलता वैद्य, हेमलता तिवारी, विकास कदम, के.व्ही.रमेश, राजेश ब्रम्हे, कमलेश बनाफर, रतन गोंडाने, आर.पी.नामदेव ने काव्यपाठ किया ।

# कोरबा पूर्व में कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

डॉ0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर के तत्वाधान में दिनांक 18 व 19 अगस्त को दो दिवसीय ''कर्मचारी विकास प्रशिक्षण'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (उत्पा.) श्री आर.डी.सोनकर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुये इन्हें कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास में सहायक बताया । कार्यक्रम अध्यक्ष श्री डी. महतो, अति.मुख्य अभियंता(संचा./संधा.) व कारखाना प्रबंधक ने इस अवसर पर कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती एवं हम हर दिन कुछ न कुछ नया सीखते रहते हैं । मुख्यालय रायपुर से उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री आर.डी. सिंह, औद्योगिक संबंध अधिकारी ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के अंतर्गत कर्मचारियों को व्यापक प्रशिक्षण दिये जाने की जानकारी देते हुये अवगत कराया कि इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य ''शून्य दुर्घटना व तनावमुक्त औद्योगिक जीवन'' है । उन्होंने दुर्घटना होने की स्थिति में कर्मचारियों को कंपनी द्वारा देय हित लाभों, बीमा व दावे की प्रक्रियाओं से भी कर्मचारियों को अवगत कराया । केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मंडल, रायपुर से प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु पधारे श्री पी.आर. बेन्डे ने संस्थान द्वारा श्रमिकों को प्रदत्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की । उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत कर्मचारियों के अभिप्रेरण, कौशल क्षमता का विकास, दुर्घटनारहित जीवन, सकारात्मक सोच, पारस्परिक सम्प्रेषणता आदि विषयों पर कर्मियों को प्रशिक्षित किया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार से आयी विदुषी कु. श्वेता द्वारा तनाव प्रबंधन विषय पर सुरूचिपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । डॉ. जे.पी. दुबे, मुख्य रसायनज्ञ द्वारा इस अवसर पर उन छोटी–छोटी बातों का उल्लेख किया गया, जिन पर ध्यान रखने से तनाव को दूर किया जा सकता है ।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री जी.खंडेलवाल के संयोजन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम के आयोजन में श्री अतुल पुनवटकर, अधीक्षण यंत्री (मानव संसाधन), श्री कुर्तीकुमार, अधीक्षण यंत्री (दक्षता), श्री जार्ज एक्का, अधीक्षण यंत्री (एम.पी.) व श्री प्रेमजी पटेल, कार्यपालन यंत्री (संरक्षा) का सहयोग उल्लेखनीय रहा ।

# पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में सेवानिवृतजनों की भावभीनी बिदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी के सेवानिवृत्त कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई 30 अगस्त 11 को दी गई। पॉवर होल्डिंग–ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी ने सेवानिवृत्त कर्मियों की सेवाओं को बहुमूल्य निरूपित किया । उन्होंने कहा कि सेवानिवृतजनों के सहयोग हेतु पारेषण कंपनी के दरवाजे सदैव खुले रहेंगे । विदाई समारोह में श्री कलसी ने पेशंन आदेश, सेटलमेंट अलाऊंस, भविष्य निधि की राशि तथा अवकाश नकदीकरण का भुगतान संबंधी धनादेश सेवानिवृतजनों को प्रदान किया । इसी समारोह में दीर्घकालीन सेवा सेवानिवृत्त तिथि पर ही प्रदान करते हुये उनके सपरिवार उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी दीर्घकालीन सेवा के उपरांत मानवीय दृष्टिकोण के अन्तर्गत सेवाओं की अपील करते हुए सहयोग देने का आश्वासन दिया ।

इस अवसर पर एम डी श्री कलसी ने विद्युत पारेषण कंपनी की दूरभाष विवरणिका का विमोचन करते हुए सेवाओं के कुशल निष्पादन पर जोर दिया । विमोचन कार्यवाही के इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री विजय सिंह, श्री डब्ल्यू. आर.वानखेड़े, श्री आर के मेहता, श्री पी एम जोग एवं श्री एम के शुक्ला एवं पारेषण परिवार के अधिकारी एवं कर्मचारीगण काफी संख्या में उपस्थित थे ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री योगेश नैयर ने सेवानितृत्त होने वाले कर्मियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला । सेवानिवृत्त होने वाले

कर्मियों में सर्वश्री अंबिकाप्रसाद विश्वकर्मा, मुकुन्द सिंह, पूनाराम चौहान, ए के दुबे, यशवंत कुमार सोनी और रामगुलाल यादव शामिल थे । सेवायात्रा के अंतिम दिवस पर ही अपनी समस्त लेनदारी कंपनी से पाकर सेवानिवृत्त कर्मियों ने कपंनी प्रबंधन के प्रति आभार एवं हर्ष व्यक्त किया तथा अन्य संस्थानों के लिये इसे अनुकरणीय कहा। विदाई समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बहुसंख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन उपमहाप्रबंधक श्री व्ही.के.चड्डा ने किया।

# वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री अतुल मेहता की भावभीनी बिदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ के पद पर सेवारत श्री अतुल मेहता को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी बिदाई दी गई । इस हेतु जुलाई 11 में कोरबा में आयोजित विदाई समारोह में उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही. के.श्रीवास्तव ने श्रीफल एवं शाल प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया । साथ ही श्री मेहता एवं उनके परिवारजनों के सुखमय भविष्य हेतु शुभकामनाएं व्यक्त की । मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के चचई बिरसिंगपुर कोरबा में अपनी दीर्घकालीन सेवा के दौरान अधिकारियों कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति श्री मेहता ने आभार व्यक्त किया ।

# सेवानिवृत्त कर्मियों की दीर्घकालीन सेवा संस्थान के लिये महत्वपूर्ण

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी के सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर 31 जुलाई 11 को भावभीनी विदाई दी गई। पॉवर होल्डिंग–ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी ने सेवानिवृत्त कर्मियों को कंपनी की ओर से देय समस्त भुगतानों के धनादेश पेशंन आदेश, सेटलमेंट अलाऊंस, भविष्य निधि की राशि तथा अवकाश नकदीकरण का भुगतान सेवानिवृत्त तिथि पर ही प्रदान करते हुये उनके सपरिवार उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों की दीर्घकालीन सेवा को पॉवर कम्पनी के लिये महत्वपूर्ण निरूपित किया।

इस अवसर पर एम डी श्री कलसी ने सेवानिवृत्त कर्मी के आग्रह पर कंपनी द्वारा प्रदत्त परिचय पत्र को वापिस न लेने के बजाय उस पर निवृत्तमान कंपनी कर्मी का उल्लेख करते हुये जारी करने हेतु अपनी सहमति व्यक्त की।

ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों में श्री अरूण कुमार ठाकुर, कार्यालय सहायक श्रेणी–एक, श्री भुवन लाल पाण्डे, कार्यालय सहायक

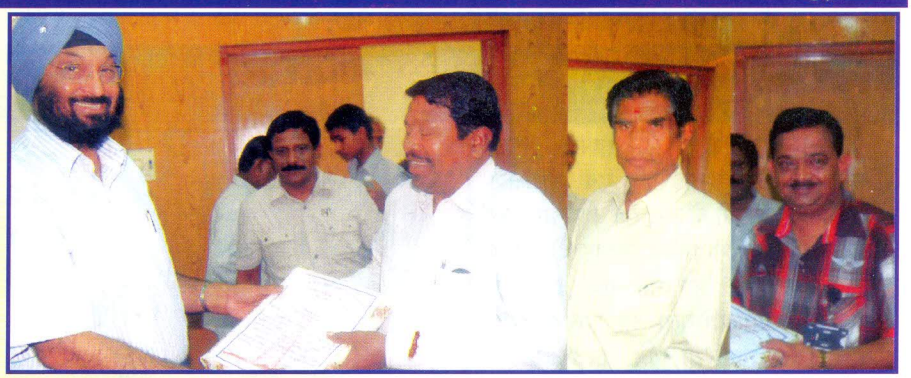

श्रेणी–दो एवं श्री चौबाराम ठाकुर वरिष्ठ सुरक्षा सैनिक शामिल थे। सेवायात्रा के अंतिम दिवस पर ही अपनी समस्त लेनदारी कंपनी से पाकर सेवानिवृत्त कर्मियों ने कपंनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अन्य संस्थानों के लिये इसे अनुकरणीय कहा। विदाई समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बहुसंख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश नैयर एवं आभार प्रदर्शन उपमहाप्रबंधक श्री व्ही.के.चड्डा ने किया।

# रायपुर क्षेत्रीय मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के रायपुर क्षेत्रीय मुख्यालय में "स्वतंत्रता दिवस" समारोह का सोल्लास आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अभियंता श्री लक्ष्मी नारायण इरंकी ने ध्वजारोहण किया तथा छ.ग.शासन के मुख्य सचिव–पॉवर कंपनी अध्यक्ष श्री पी.जॉय ओमेन के संदेश का वाचन किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों सहित रायपुर क्षेत्र के सम्माननीय उपभोक्ताओं को आजादी की वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित की। श्री इरंकी ने उपभोक्ताओं को विद्युत कम्पनी के बिजनेस पार्टनर की संज्ञा देते हुये कहा कि विद्युत की चोरी या दुरूपयोग कम्पनी और उपभोक्ताओं के हित में नहीं है. अतः जागरूकता का परिचय देते हुये इसे नियंत्रित करने हेतु आगे आयें। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रायपुर क्षेत्र के 114 सहायक लाईनमेन को लाईन मेन के पद पर मिली पदोन्नती हेतु बधाई–शुभकामनायें प्रेषित की।

इस अवसर पर अतिविशिष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को उन्होंने पुरस्कृत कर बधाई दी। पुरस्कृत होने वालों में क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट/विशिष्ट कार्य करने वाले अर्जुन्दा वितरण केन्द्र (दुर्ग ओएण्डएम सम्भाग) में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी–दो श्री ऋषि कुमार वर्मा, बालोद ओएण्डएम सम्भाग में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी–दो श्री मातेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी, वार्ड आया श्रीमती गीता भोई औषधालय गुढ़ियारी, श्री इन्द्र कुमार साहू कार्यालय सहायक श्रेणी–दो संचा–संधा वृत्त रायपुर, श्री इन्द्रजीत सिंह परिचारक श्रेणी दो (ला) शहर सम्भाग पूर्व रायपुर तथा श्री पुरूषोत्तम सिन्हा परिचारक श्रेणी एक (ला) रिमोडलिंग शाखा नगर सम्भाग पश्चिम रायपुर शामिल हैं। इन्हें विद्युत कम्पनी की ओर से देय पदक और प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर पुरस्कृत–सम्मानित किया गया.

इसी क्रम में 66वाँ लेखा प्रशिक्षण में मुख्य अभियंता रायपुर क्षेत्र में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी दो श्री यतीन कुमार दाते, 131वाँ तकनीकी प्रशिक्षण में संचारण संधारण सम्भाग धमतरी में पदस्थ श्री गंगा राम नेताम तथा 133वाँ तकनीकी प्रशिक्षण में एसटीएम सम्भाग रायपुर में पदस्थ श्री ज्ञान प्रकाश साहू को पदक एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर मुख्य अभियंता श्री इरंकी ने पुरस्कृत/सम्मानित किया.

समारोह में सर्वश्री पी.के खरे, हर्ष गौतम, आर.ए.पाठक, एस.सी. श्रीवास्तव, जी.एल.चन्द्रा, एम.डी.बड़गैंया, ऋषि कुमार बंछोर, एम. विश्वकर्मा, अविनाश सोनेकर डॉ. विवेक गोले, डॉ. अशोक पेण्ढारकर,एम. एन.वर्मा तथा श्री एन.सी.कमाले के साथ साथ बहुत अधिक संख्या में अधिकारी/कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे. ध्वजारोहण कार्यक्रम में सर्वश्री राजेश सिन्हा, एस.एन.नायडू, एम.एस.एन.मुर्ती, राजेन्द्र कुमार वर्मा का सराहनीय योगदान रहा. कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों के प्रति अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रहलाद सिंह ने आभार प्रदर्शन किया. कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा ने किया।

# श्री इरंकी एवं श्री राव के स्थानान्तरण पर विदाई समारोह का आयोजन

राजनांदगांव क्षेत्र में पदस्थ मुख्य अभियंता श्री एल.एन.इरंकी एवं अधीक्षण अभियंता श्री एम.जी.के.राव का स्थानान्तरण रायपुर में होने पर भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर राजनांदगांव क्षेत्र में नवपदस्थ मुख्य अभियंता श्री शारदा सिंह द्वारा इन अधिकारियों को कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों की ओर से प्रदत्त स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। विदाई समारोह में सर्वश्री मधुकर जामुलकर, अति. मुख्य अभियंता, आर.एन.याहके, अधीक्षण अभियंता, पी.एस.यादव, अधीक्षण अभियंता, आर.के.अवस्थी अधीक्षण अभियंता (दुर्ग वृत्त), बी.पी.गुप्ता कार्यपालन अभियंता, बी.के.कुमरे कार्यपालन अभियंता (एस.टी.आर.ई) एवं अन्य अधिकारी–कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी। विदा लेते अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए आभार प्रदर्शन किया ।

# आदर्शिनी महिला क्लब ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के परिवारों में हरियाली की अलख जगाने आदर्शिनी महिला क्लब द्वारा हरियाली तीज उत्सव का आयोजन डंगनिया स्थित कला भवन मे श्रीमती दीपाली शेखर अमीनं के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती प्रीति सिंह एवं श्रीमती छवि डे के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया । कार्यक्रम में झूला सजावट, फेन्सी ड्रेस एवं हरियाली क्वीन स्पर्धा में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दी । महिला क्लब की अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव तथा उपाध्यक्ष श्रीमती गुरमीत कौर कलसी, सचिव श्रीमती नीलम मेहता एवं सहसचिव श्रीमती श्रीदा श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया । हरियाली क्वीन स्पर्धा में प्रथम डॉ0 श्रीमती उषा पिल्लई, द्वितीय सुषमा सक्सेना एवं तृतीय दिव्या पात्रीकर रही । इसी तरह फैन्सी ड्रैस में रेखा हिरवानी प्रथम, ममता गिरदौनिया द्वितीय, सोनिया बघेल तृतीय रही । कार्यक्रम में आये अतिथियों के प्रति आभार श्रीमती सुषमा तिवारी ने व्यक्त किया । समूचे कार्यक्रम को अपनी गरिमामय उपस्थिति से श्रीमती प्रमिला वर्मा, श्रीमती चुग, श्रीमती वर्मा, किरण सिंह, जयंती निगम, वंदना तेलंग, प्रमिला विल्सन, आशा शर्मा, नीलम भादे, मिथलेश शर्मा, माधुरी वर्मा, सरोजनी दुबे, श्रीमती झूमाधर ने सफल बनाया ।

# सावन उत्सव में श्रीमती सरिता चौकसे बनी सावन सुंदरी

संकल्प महिला मण्डल, छ.रा.विद्युत उत्पादन कंपनी कोरबा पश्चिम में सावन माह के अवसर पर आयोजित "हरियाली तीज" कार्यक्रम में श्रीमती सरिता चौकसे को सावन सुंदरी चुना गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव धर्मपत्नी श्री व्ही.के.श्रीवास्तव, प्रबंध निदेशक, छ.रा.विद्युत उत्पादन कंपनी रायपुर, श्रीमती हंसा अग्रवाल अध्यक्षा, श्रीमती माया जायसवाल, उपाध्यक्षा श्रीमती पुष्पलता कपिला, श्रीमती अंजनी ओझा, श्रीमती अंजली मेहता सदस्य संकल्प महिला मण्डल एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मोहनी पाण्डेय, श्रीमती फ्लोबिया जूडा ने उन्हें बधाई दी।

सावन उत्सव में महिला मण्डल की सदस्याओं के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। श्रीमती नीलिमा श्रीवास्तव ने हरियाली तीज के आयोजन की प्रशंसा करते हुये कहा कि संकल्प महिला मण्डल एक सक्रिय संस्था है जो समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती कमला पारखे सचिव के नेतृत्व में श्रीमती निगहत अली, श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल, श्रीमती संगिता कापसे, श्रीमती अंतिम जैन ने बहुमूल्य योगदान दिया। श्रीमती डॉ0 सीमा तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन तथा श्रीमती पारखे ने आभार व्यक्त किया।

# भारतीय राज्य संप्रतीक : अशोक स्तंभ

सारनाथ संग्रहालय में सुरक्षित सारनाथ सिंह स्तंभ शीर्ष से अशोक स्तंभ को अपनाया गया है। इसमें शीर्ष फलक पर तीन सिंह दृष्टिगोचर हैं। बीच में धर्मचक्र (अशोक चक्र) है। इसमें चौबीस धारियां है। चक्र के दाईं ओर एक बैल और बाईं ओर गतिमान (दौड़ता हुआ) घोड़ा है। तीनों शेरों के पार्श्व चित्र के नीचे देवनागरी लिपि में 'सत्यमेव जयते' शब्द लिखा है। यह मुंडक उपनिषद से लिया गया है। इसके बिना अशोक चिन्ह त्रुटिपूर्ण व विधिसंगत नहीं है।

कोई भी सरकारी/निजी संस्थान भारत सरकार की लिखित पूर्वानुमति के बिना इसका उपयोग नहीं करे। किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा अशोक स्तंभ को व्यापार, कारोबार/पेशे को काम में नहीं लें। भारत सरकार के गृह मंत्रालय नई दिल्ली से इसके उपयोगार्थ अनुमति ली जानी आवश्यक है। विधि सम्मत अशोक स्तंभ की रूपरेखा का फोटो चित्र, प्रबंधक फोटोलिथो विभाग, भारत सरकार मुद्रणालय नई दिल्ली से प्राप्त किए जाए। भारत का राज्य संप्रतीक (अनुचित प्रयोग प्रतिशेध) अधिनियम 2005 जो कि 20 दिसम्बर 2005 से पूर्ण भारत तथा भारत के बाहर भारतीय नागरिकों व कार्यालय (एम्बेसी) पर यह लागू है। उक्त अधिनियम 2005 के प्रत्येक प्रावधान का कड़ाई से पालन किया जाए। लेखन सामग्री (स्टेशनरी) पर इसका उपयोग करने के लिए अतिविशिष्ट हस्तियां और अधिकारियों की श्रेणी हैं। अशोक स्तंभ को लेटर पैड पर मुद्रित करवाने के लिए ध्यान रहे कि किसी भी अवस्था में व्यक्ति विशेष का नाम अंकित नहीं होगा। अशोक स्तंभ व्यक्ति के लिए नहीं, वरन अमुक पद के लिए है। अशोक स्तंभ को नीला, हरा, लाल रंग में छापा जाना चाहिए। सरकारी आदेश में गोल्डन (सुनहरी) रंग का कहीं भी उल्लेख नहीं है। अति महत्वपूर्ण सरकारी भवनों जैसे राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उच्चतम न्यायालय और केन्द्रीय सचिवालय भवन पर अशोक स्तंभ को संप्रदर्शित किया जा सकेगा। जिन राज्यों द्वारा इसे अंगीकार किया गया है, वहां के राजभवन या राजनिवास, सचिवालय, उच्च न्यायालय भवन पर इसे उपयोग में लाया जा सकता है। विदेशों में राजनयिक भवन और मिशन प्रमुख अपने निवास पर इसे संप्रदर्शित कर सकेंगे।

मोटर कार – उक्त अधिनियम की अनुसूची द्वितीय (नियम 7) में उल्लेखित संभ्रांत हस्तियों की कारों पर ही अशोक स्तंभ लगाया जा सकता है।

ऐसा न करे – राष्ट्रीय संप्रतीक अशोक स्तंभ का अहम हिस्सा 'सत्यमेव जयते' शब्द का लोप देखने को मिलता है। अनावरण पत्थरों और अन्य कई जगह अशोक स्तंभ को ठीक प्रकार से नहीं छापा जाता, यहां तक कि अशोक चक्र की 24 लाइनें ही नहीं होती, अश्व और बैल दोनों की आकृति भी सहीं नहीं होती। राजपत्रित अधिकारी और मंत्री आदि अशोक स्तंभ को लेटर पैड पर उपयोग करते समय इसमें अपना नाम भी छपवाते हैं। नाम को हस्ताक्षर करते समय कोष्ठक में टाइप ही करवाया जा सकता है। किसी भी अवस्था में नाम को मुद्रित नहीं किया जाएगा। सरकारी अधिकारी, सरकारी वाहन (कार) पर अशोक स्तंभ को पीतल आदि की प्लेट से अंकित करते हुये मंत्रालय और कार्यालय का नाम प्रदर्शित करते हैं। कई मंत्री व अधिकारी अपने लेटर पैड पर राष्ट्रीय संप्रतीक को गोल्डन इंक (सुनहरी स्याही) में मुद्रित करवाते है। गृह मंत्रालय द्वारा सुनहरे रंग का उल्लेख नहीं है। अति महत्वपूर्ण सरकारी भवनों संसद, राष्ट्रपति भवन, उच्चतम न्यायालय, राजभवन, राज निवास भवनों पर ही इसे संप्रदर्शित करने के लिए अधिकृत है पर भारत सरकार के कुछ कार्यालय अपने भवन पर इसे उपयोग ले रहे हैं। अधिकांश सरकारी वेबसाइट और कोर्ट की गोल मुहर में अशोक स्तंभ तो है, पर अपूर्ण। जिसमें 'सत्यमेव जयते' शब्द लोपित होता है।

# मगरमच्छ को दोस्त मिला

बंटी नामक एक मगरमच्छ था वह बहुत दुखी रहता था क्योंकि उसका कोई दोस्त नहीं था । एक दिन उसने सोचा मैं किसी को अपना दोस्त बनाऊं लेकिन हर कोई उससे डरता था । बंटी मगरमच्छ जिसको भी अपना दोस्त बनाना चाहता वह उससे डर के भाग जाता । फिर बंटी मगरमच्छ उदास होके एक बीच (समुद्र का किनारा) में चला गया और दुखी मन से बैठा रहा । तभी वहां एक छोटू नाम का खरगोश समंदर में नहाने के लिए उतरा । समंदर में बहुत सारे गेंडे थे । सारे गेंडे आपस में नाच रहे थे, तभी खरगोश को झटका लगा और खरगोश समंदर में डूबने लगा। तभी मगरमच्छ की नजर खरगोश पर गई और मगरमच्छ समंदर में डुबकी लगाके तैरते हुए खरगोश को बचा लिया और तब से दोनों दोस्त बन गए और खरगोश ने मगरमच्छ को जूस पिलाया और दोनों बीच (समुद्र का किनारा) में आते जूस पीते पानी में मस्ती करते और बहुत खुश रहते। दोस्ती के लिये संवेदनशीलता और सद्भावना जरूरी है ।

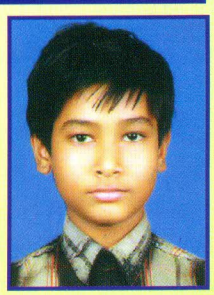

**सृजन दत्ता, कक्षा नवमीं, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बिलासपुर ।**

# हमारे गौरव

## अक्षय जोशी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के कोरबा पश्चिम स्थित संयंत्र में सेवारत वरिष्ठ रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी एवं श्री प्रदीप जोशी के सुपुत्र चिरंजीव अक्षय जोशी ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2011 में अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया । इसी तरह वैल्लोर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नालाजी एन्ट्रेन्स इंक्जामेंनेशन 2011 तथा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की पी.ई.टी. परीक्षा में भी आपने श्रेष्ठ रेन्क अर्जित किया । एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी के बी.टेक. के लिए भी आपका रेंक उत्कृष्ट रहा । बधाई ...

## कु. मोनिका

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के धमतरी कार्यालय में एल.टी.बिलिंग प्रभाग में कार्यरत श्री रमाकान्त साहू, कार्यालय सहायक श्रेणी–दो की सुपुत्री कु. मोनिका साहू ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल (सी.बी.एस.ई.) 2010–2011 की दसवीं बोर्ड की परीक्षा में सभी विषयों में ए–1 ग्रेड प्राप्त किया है। अंग्रेजी माध्यम से अध्ययनरत् छात्रा कु. मोनिका ने अधिकतम सी.जी.पी.ए.ग्रेड 10 में से 10 अंक प्राप्त करके कुल 95 प्रतिशत अंक अर्जित किया है। छात्रा ने धमतरी जिला एवं शहर को गौरवान्वित किया। वर्तमान में मेनोनाईट इंग्लिश सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल धमतरी में अध्ययनरत कु.मोनिका पढ़ाई के साथ खेलकूद, विज्ञान, प्रश्नोत्तरी कार्यकम, ऊर्जा संरक्षण में विशेष रूचि रखती है। इन्हें दो बार राज्यस्तरीय शालेय शतरंज स्पर्धा में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हुआ है । बधाई ...

# श्रद्धांजलि

## स्व. श्री विनोद शंकर मेहता

उपमहाप्रबंधक (सचिवालय) छ.रा.पा.होल्डिंग कंपनी मर्यादित रायपुर के कार्यालय में कार्यरत श्री जितेन्द्र मेहता, प्रबंधक के पिताजी श्री विनोद शंकर मेहता का 85 वर्ष की आयु में दिनांक 07 अगस्त 2011 को निधन हो गया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे....

## स्व. आलोका बाई नारनवरे

छ.रा.पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित रायपुर के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे की माता श्रीमती आलोका बाई नारनवरे का स्वर्गवास 31 अगस्त को हो गया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे.....

## SMS गुरू

जो सफर की शुरूआत करते हैं
वो मंजिल को पार करते हैं
बस एक बार चलने का
हौंसला चाहिए
अच्छे इंसान का तो
रास्ते भी इंतजार करते हैं
जिंदगी तब बेहतर होती है
जब आप खुश होते हैं
लेकिन जिंदगी तब
बेहतरीन होती है
जब आपकी वजह से
लोग खुश होते हैं

# कविता

## स्वतंत्रता दिवस का आदेश

वैसे तो दिन अनेक है,
पर 15 अगस्त का दिन खास एक है
लो आज वो दिन फिर आया है
उन सबकी याद को लाया है
जिनकी कुर्बानी ने हमें
आजादी की मान दी है
उनके सपनों को यह दिन
फिर से हमें याद दिलाया है
15 अगस्त आया है 15 अगस्त आया है।

उनका सपना सपना न रहे
उनकी कुर्बानी बरबादी न बने
उनका त्याग किसी का भोग न बने
उनकी तपस्या किसी की मौज न बने
ऐसा संदेश लाया है
15 अगस्त आया है 15 अगस्त आया है।

आओ मिलकर साथ गाए
15 अगस्त का आदेश निभाए
भारत मां की संतान होने का
गौरव पूर्ण ऋण चुकाए
क्योंकि 15 अगस्त आया है
नींद से हमे जगाया है।
हमारे हर कर्तव्यों का
हमें याद दिलाया है
15 अगस्त आया है 15 अगस्त आया है।

आर.एन.दत्ता
प्रबंधक (मा.सं.)
कार्या0 उप महाप्रबंधक (मा.सं.)–दो
छ.रा.वि.होल्डिंग कंपनी

## परिचयावली... श्री जयपाल सिंह मुख्य अभियंता, बिलासपुर क्षेत्र

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी बिलासपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री जयपाल सिंह का जन्म 12 जून 1952 को छत्तीसगढ़ के ग्राम मूलमूला जिला जांजगीर चांपा में हुआ। अपनी माता स्व0अरूण देवी एवं पिता स्व0 पुलक सिंह के सुसंस्कार में अनवरत जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको मिली। आपने हायर सेकण्डरी की परीक्षा शास0 बहु उद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला बिलासपुर से वर्ष 1968 में प्रथम श्रेणी में उर्त्तीण किया एवं वर्ष 1974 में इलेक्ट्रिकल इंजीनिरिंग में स्नातक की उपाधि शासकीय इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर से प्रथम श्रेणी में अर्जित किया।

विद्या अर्जन के उपरांत आपने मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से अपनी सेवायात्रा का आरंभ 02 फरवरी 1976 में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में जबलपुर से किया। प्रशिक्षण पश्चात् वर्ष 1977 में आप सहायक अभियता के पद पर नियमित हुये। आगे 1989 तक इस पद पर रहते हुये रायपुर,धमतरी, कांकेर एवं कोरबा दर्री में आपने सफलतम सेवायें दी। आगे वर्ष 1989 में कार्यपालन अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई । इस पद पर 2005 तक सेवारत रहते हुये बिलासपुर, कोरबा, रायपुर एवं दुर्ग में आपको कार्यदक्षता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

सेवायात्रा में अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुये आपको वर्ष 2005 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आपने राजनांदगांव एवं ईआईटीसी रायपुर में अपनी महत्वपूर्ण सेवायें दी। आगे वर्ष 2008 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी के पद पर ऊर्जा विभाग, छ.ग.शासन, मंत्रालय में आपकी पदस्थापना हुई। कार्य के प्रति निष्ठा और बेहतर परिणाम देने की कोशिश का सुफल वर्ष 2010 में आपको पुनः प्राप्त हुआ और मुख्य अभियंता जैसे शीर्ष पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई एवं आपकी पदस्थापना बिलासपुर क्षेत्र में की गई।

बागवानी, कृषि कार्य एवं भ्रमण में आपकी गहरी अभिरूचि है। अपनी सेवायात्रा के दौरान आपने अनेक उपकेन्द्रों, लाईनों के निर्माण–विस्तार कार्य, पम्प ऊर्जीकरण, ग्रामीण विद्युतीकरण जैसे कार्यों में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

## बिजली सुरक्षा के गोठ

मदिरा पान दुर्घटना ला दीही आमंत्रण
एक कनी लापरवाही, यानी मौत ला दिही आमंत्रण
बिजली से तकरार, कर दीही जीवन बेकार
मदिरा पान न करो सेवन, रखबो अपन सुरक्षित जीवन
अपन लइका मन के मोहक मुस्कान, सतर्कता सम्हाले कमान
हम सुरक्षित परिवार खुशहाल, जिन्दगी को बनाए निहाल
सुरक्षा उपकरण अपनाना है, जीवन अपन बचाना है।
चाहे जो भी मजबूरी हो, लाइन डिस्चार्ज, अउ शाट करना जरूरी है।
काखरो केहे म झन कर भरोसा, बंद लाइन खुदे जांच ले हो जाही सुरक्षा
जब जब डयूटी में आवव, उपयोग करे बर सुरक्षा सामग्री संग म लावव
अधिकारिक परमिट हो जारी, तभी लाइन पर कार्य करे के बारी
दस्ताने, प्लायर, सेप्टीबेल्ट अउ डिस्चार्ज राड
रबर सोल के जूता, गागल, अऊ पॉच सेल के टार्च
ये सुरक्षा सामग्री अपनाना हे, जीवन अपन बचाना हे
बिजली चोरी के अड़बड़ हे हर्जाना,
तीन साल के सजा अऊ पॉच हजार के जुर्माना
विद्युत मंडल छत्तीसगढ़ राज के
करत हावव जोहार आज आपके.....

मानसिंह सिन्हा. सहा.ला.मेन
नि.उ.स.छ.रा.वि.वि.कं. मर्या
राजनांदगांव (छ.ग.)

# क्षेत्रीय मुख्यालय रायपुर में सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी बिदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी के क्षेत्रीय कार्यालय गुढ़ियारी रायपुर के कार्यपालक निदेशक श्री अरविन्द कुमार तिवारी एवं पंचरूम सुपरवाइजर श्री इफ्तेखार अहमद अंसारी को उनकी अधिवार्षिकी आयु पूर्णता उपरांत भावभीनी बिदाई दी गई. बिदा हुए श्री तिवारी एवं श्री अंसारी को पुष्पगुच्छ–माला, शॉल श्रीफल, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, घड़ी तथा अंतिम दावों के चेक भेंट कर सम्मानित किया गया. बिदाई की बेला में कार्यपालक निदेशक श्री तिवारी ने कहा कि सकारात्मक सोच ही हमें सफलता प्रदान करती है और हमे शारीरिक एवं मानसिक रूप से निरोग तथा तरोताजा बनाये रखती है. कार्यक्रम का संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा ने सेवानिवृत्तजनों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

बिदाई की बेला में मुख्य अभियंता एसटीआरई श्री भीम सिंह, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री आर.विश्वनाथम्, पी.के.खरे, हर्ष गौतम, राम अवतार पाठक, आई.डी.डोंगरे, आर.के.अवस्थी, बजरंगी मिश्रा, एस.सी.श्रीवास्तव, जी.एल.चन्द्रा, एन.एस.कुमार, विवेकानंद पाण्डे, दिलीप गणेश गोलवलकर, मुख्यालय से श्री देवेश निगम मैनेजर (मा.सं) वितरण कम्पनी, डॉ.विवेक गोले, डॉ.अशोक पेण्ढारकर, पी. एस. श्री एम.एन.वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी श्री एन.सी.कमाले आदि उपस्थित थे। अधीक्षण अभियंता श्री आर.विश्वनाथम् ने आभार प्रदर्शन किया।

# महासमुंद में जीरो एक्सीडेंट के लक्ष्य पर केन्द्रित दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित महासमुंद सम्भाग में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 07–08 जुलाई 2011 को किया गया. सेवा निवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री अरविन्द कुमार तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं औद्योगिक सम्बन्ध अधिकारी श्री रघुवर दयाल सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में शिविर का समापन समारोह सम्पन्न हुआ. श्री तिवारी ने अपने सारगर्भित उद्‌बोधन में कहा कि प्रशिक्षण से कार्यक्षमता में वृद्धि होती है. कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है. उन्होंने ध्यान की अपनी विशिष्ट शैली से उपस्थितजनों को भाव विभोर कर दिया. शिविर में श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर द्वारा सुरक्षा के उपाय की जानकारी दी गई।

कर्मचारी विकास प्रशिक्षण शिविर का उद्‌घाटन अधीक्षण अभियंता श्री एन.एस.कुमार ने किया. उन्होंने बिजली कर्मियों के लिये ऐसे प्रशिक्षण को कारगर निरूपित किया. उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित कर्मी अपने अपने कार्य क्षेत्र में अन्य कर्मियों के लिये प्रेरणास्रोत बनेंगे. इस शिविर में महासमुंद सम्भाग के बागबाहरा, झलप, पिथौरा, तुमगाँव, तेंदूकोना, कोमाखान, खल्लारी, महासमुंद शहर एवं ग्रामीण वितरण केन्द्रों के 20 अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए. प्रशिक्षण शिविर के आयोजक महासमुंद सम्भाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.आर.बुनकर ने भी प्रशिक्षार्थियों को संबोधित किया। कार्यपालन अभियंता सर्वश्री के.एन.मुर्ती, टी.आर. धीवर, आर.के.वर्मा, किशोर चन्द्राकर, अश्विनी तिवारी, ए.डी.दीवान ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया.

# बेमेतरा में कर्मचारी विकास प्रशिक्षण शिविर आयोजित

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित बेमेतरा सम्भाग में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 26–27 अगस्त 2011 को किया गया. कार्यक्रम में औद्योगिक सम्बन्ध अधिकारी श्री रघुवर दयाल सिंह एवं कार्यपालन अभियंता श्री आर.के.श्रीवास्तव एवं अधीक्षण अभियंता संचारण संधारण दुर्ग श्री आर.के.अवस्थी के आतिथ्य में शिविर का उद्‌घाटन एवं समापन समारोह सम्पन्न हुआ. शिविर में श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर द्वारा सुरक्षा के उपाय, सजगता तथा तनाव से मुक्ति के गुर प्रशिक्षणार्थियों को सिखाये. शिविर में बेमेतरा के रांका, बेरला, भिंभौरी, नांदघाट, देवरबीजा, दाढ़ी, खम्हरिया, साजा, नवागढ़, बेमेतरा शहर एवं ग्रामीण वितरण केन्द्रों के 20 अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए.

इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि बिजली संबंधी कार्य जनजन से जुड़े होने के कारण अत्यन्त संवेदनशील है। इन कार्यों को सफलतापूर्वक संपादन करने के लिये हमेशा जागरूक रहने तथा सुरक्षा उपकरणों का समुचित उपयोग विद्युत कर्मी–संस्थान–उपभोक्ता के लिये सामूहिक रूप से हितकारी है। इसी क्रम में श्री अवस्थी ने कहा कि, जान जोखिम में डालकर कार्य करने वाले बिजली कर्मियों के लिये ऐसे प्रशिक्षण निश्चित ही कारगर सिद्ध होगें. उन्होंने कहा कि हड़बड़ी से गड़बड़ी होती है. अतः तनावमुक्त शांत चित्त कार्य संस्कृति को अपनाकर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

प्रशिक्षण शिविर के आयोजक श्री श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कर्मचारियों को जागरूक बनाते हैं. इससे उनमें नई शक्ति का संचार होता है तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। कार्यक्रम में सहायक अभियंता श्री ए.पी.सोनी, कनिष्ठ अभियंता श्री राम प्रकाश ठाकुर, सर्वश्री गोपाल ठाकुर, रामानुज साहू, रमणदास वैष्णव, ईश्वर देवांगन, रामविशाल ध्रुव और गाड़ाराम कुंजाम ने अतिथियों का स्वागत किया। अंत में सहायक अभियंता श्री बसंत पवार ने आभार प्रदर्शन किया तथा कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा द्वारा किया गया.

# स्वतंत्रता दिवस पर पुरस्कृत अधिकारी-कर्मचारीगण

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कम्पनी मर्या., डंगनिया, रायपुर फोन : 0771-4066901 फैक्स : 0771-2242955 Website:www.cseb.gov.in